डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 317 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 02 सितम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

आफिस में कार्य करने हेतु युवक की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

निजी स्कूलों से बराबरी के दावे भाषणों तक सीमित

निजी स्कूलों में निपटा 25 प्रश कोर्स, सरकारी स्कूलों में शिक्षक का इंतजार

अतिथि शिक्षकों की छह बार बढ़ाई ज्वानिंग की तिथि

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों की निजी स्कूलों से बराबरी करने के दावे सिर्फ भाषणों तक ही सीमित है। मूलभूत सुविधाएं तो ठीक है, पढाई को लेकर ही गंभीरता नहीं दिखाई जा रही। सत्र की शुरुआत हुए करीब ढाई माह हो चुके हैं। निजी स्कूलों में पचीस प्रतिशत कोर्स पूरा हो चुका है। वहीं त्रैमासिक परीक्षा की तैयारी में विद्यार्थी और शिक्षक जुटे हैं। वहीं सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती का ही इंतजार है। जुलाई से अतिथि शिक्षकों को नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन अब तक छह बार तिथि बढाई जा चुकी है।

इसलिए अटकी नियुक्ति– अतिथि शिक्षकों को अगस्त से स्कूलों में पढाने के लिए आमंत्रित किया जाना था। इसी बीच अतिशेष शिक्षकों की सूची सामने आने से अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति पर रोक लगा दी गई है। अतिशेष के कारण 50 प्रतिशत इस सत्र में बेरोजगार हो जाएंगे। इसे लेकर अतिथि शिक्षक पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर राजधानी में प्रदर्शन भी करेंगे।

सितंबर के दूसरे सप्ताह से परीक्षा– स्कूलों में नौवीं से 12वीं तक की कक्षाओं की तिमाही परीक्षाएं सितंबर के दूसरे सप्ताह से शुरू होने वाली है। ऐसे में शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार देने के कारण और अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग के कारण स्कूलों में पढाई प्रभावित हो रही है। वहीं, विभाग स्कूलों में रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों की भर्ती ही नहीं कर पा रहा है।

इस बार स्थिति ज्यादा चिंताजनक– इस बार शिक्षकों की कमी से 10वीं व 12वीं बोर्ड कक्षाओं का परिणाम बिगडा था। इस कारण अगस्त से अतिथि शिक्षकों को आमंत्रित किया जाना था, लेकिन अतिशेष शिक्षकों की संख्या अधिक होने के कारण इस पर रोक लगा दी गई।

हजारों अतिथि शिक्षक पहले ही हो गए बाहर– इस बार 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम खराब होने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने यह स्पष्टकर दिया था कि 30 प्रतिशत के नीचे परिणाम नहीं देने वाले अतिथि शिक्षकों को दोबारा नहीं रखा जाएगा।

इस कारण नहीं होती अतिथि शिक्षकों की भर्ती– शिक्षकों की नई भर्ती होने से अतिथि शिक्षकों के पद खत्म कर दिए हैं। वहीं, उच्च पद का प्रभार दिए जाने से जो पद रिक्त हुए हैं और खाली पदों पर अतिशेष शिक्षकों को भेजा जाएगा। इस कारण अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो पाएगी।

इनका कहना है– पहले अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग कर उन्हें स्कूलों में खाली पदों को पदस्थ किया जाएगा। इसके बाद रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों को आमंत्रित किया जाएगा।

शिल्पा गुप्ता, आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय

नौवीं में बच्चों के लिए सुपर सेक्शन

शिक्षक अलग से पढ़ाएंगे, 12वीं तक ट्रैकिंग

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। इस साल 9वीं कक्षा में कई विद्यार्थी फेल हो गए। इस चुनौती को देखते हुए राज्य सरकार ने सुपर सेक्शन बनाने का फैसला किया है।जहां 30 से अधिक बच्चे फेल हुए हैं। इन स्कूलों के शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ताकि वे इन बच्चों को बेहतर तरीके से पढा सकें।

सुपर सेक्शन की जरूरत क्यों पड़ी?

फेल बच्चों की बडी संख्या देखकर सर्वे कराया गया। पता चला कि प्राइमरी और मिडिल स्कूल में कमजोर पढाई और आरटीई के तहत फेल न करने के नियमों ने बच्चों को कमजोर बना दिया। 65प्रश फेल छात्रों को हिंदी व्याकरण और अंग्रेजी ग्रामर की समझ नहीं है। इस कारण, बच्चों को स्कूल में विशेष ध्यान देने की जरूरत पडी।

ड्रॉपआउट रोकने के लिए सुपर सेक्शन

सुपर सेक्शन का उद्देश्य फेल बच्चों का ड्रॉपआउट रोकना है। इसके लिए छात्रों से सालाना 2500 रुपए परीक्षा फीस ली जाएगी। योजना का फोकस बच्चों को निरंतर सपोर्ट देने पर है ताकि वे 12वीं तक बिना किसी परेशानी के पढाई जारी रख सकें- पीआर तिवारी, संचालक, राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड

कैसे होगा सुपर सेक्शन से फायदा?

सुपर सेक्शन में बच्चों को अलग से पढाया जाएगा। प्रशिक्षित शिक्षक बच्चों की नियमित मॉनीटरिंग करेंगे और वीकली व मंथली टेस्ट लिए जाएंगे। माता-पिता से भी संपर्क में रहकर बच्चों की प्रगति सुनिश्चित की जाएगी। सुपर सेक्शन 9वीं से 12वीं तक जारी रहेगा, जिससे बच्चों का ड्रॉपआउट रोका जा सके।

तालाब में नहाने गए तीन बच्चे डूबे

गोताखोरों ने निकाले शव, विधायक डंग भी मौके पर पहुंचे

सुवासरा, 01 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के ग्राम देवरिया विजय के तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। बच्चे दोपहर में नहाने गए थे, शाम तक वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने तलाश शुरू की। तीनों बच्चो के कपडे और जूते तालाब किनारे मिलने से शंका हुई। इसके बाद शाम करीब 4 बजे तालाब में तलाशी अभियान शुरू किया गया। शाम करीब 6 बजे तीनो बच्चो के शव तालाब से निकाल लिए गए।

घटना की जानकारी मिलने के बाद एएसपी हेमलता कुरील, एसडीओपी निकिता सिंह, सुवासरा थाना टीआई राजेंद्र पंवार, तहसीलदार, सहित अधिकारी व विधायक हरदीप सिंह डंग मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही बसई से गोताखोरों को भी बुलाया गया। करीब 2 घंटे की तलाशी के बाद शाम 6 बजे तीनों बच्चों के शव निकाल लिए गए। मृतकों में आदेश पिता मुकेश सूर्यवंशी उम्र उम्र 12 साल अनमोल पिता बालू उर्फ बालाराम सूर्यवंशी उम्र 13 साल और महेश पिता ईश्वरलाल सूर्यवंशी उम्र 12 साल शामिल हैं। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सुवासरा के शासकीय अस्पताल भेजा गया है।

शामगढ़ में युवक डूबा...

शामगढ थाना क्षेत्र के जूनापानी तालाब में भी एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक का नाम कवरलाल पिता हेमराज गाव बांसखेडी बताया गया है।

ट्रक में चोरी का प्रयास, बदमाशों की पिटाई

नीमच, 01 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के सिटी थाना क्षेत्र में हाईवे पर शनिवार-रविवार की रात दो चोरों की पिटाई का मामला सामने आया है। इसमें कुछ युवक दो चोरों की जमकर पिटाई कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह दोनो युवक ट्रक कटिंग कर सोयाबीन के तेल के डिब्बे चुराने का प्रयास कर रहे थे। जिन्हें ट्रक चालकों ने रंगे हाथों पकड़ लिया और जमकर धुनाई कर पुलिस के हवाले कर दिया है। बताया जा रहा है कि ट्रक में तेल के डिब्बे भानपुरा से नीमच लाए जा रहे थे। इस दौरान सिटी थाना क्षेत्र स्थित हाईवे पर आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम देना चाहा, मगर वे पकडे गए। इस घटना से जुड़ा मारपीट का वीडियो वायरल हो रहा है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है। सिटी थाना प्रभारी विकास पटेल ने बताया कि ट्रक कटिंग के दौरान युवकों को ट्रक चालकों ने पकडा और पुलिस के हवाले किया है। आरोपी राजस्थान के रहने वाले हैं, फिलहाल पूछताछ और जांच जारी है।

गरमी-उमस से बुरा हाल

अंचल में अभी दो दिन बारिश का अनुमान

मंदसौर, 01 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। भाद्रपद माह की शुरुआत झमाझम बारिश से हुई। लेकिन, गर्मी और उससे होने वाली उमस का असर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। एक सितंबर से बारिश की संभावना जरुर जताई गई। लेकिन, रविवार को दिनभर गर्मी और उमस के आगोश में जिला रहा। कभी बादल छाए रहे तो कभी तीखी धूप से लोगों को परेशान होना पडा। अब मंदसौर जिले में दो दिन तेज बारिश का अलर्ट है। जिले में रविवार को भी कुछ स्थानों पर बारिश हुई। लेकिन, मंदसौर शहर में शाम तक मौसम साफ था।

मौसम जानकारों के अनुसार आज से बारिश का स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव हो रहा है। अगले दो दिन इसका असर देखने को मिलेगा। इस दौरान गरज चमक के साथ कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होगी। आईएमडी भोपाल के वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया- बंगाल की खाडी में एक लो प्रेशर एरिया सिस्टम एक्टिव है। दूसरी ओर, मानसून ट्रफ ऊपर से गुजर रही है। इसके असर से 1 से 3 सितंबर तक पूरे प्रदेश में बारिश हो सकती है। इधर गांधी सागर बांध का जलस्तर 1304.67 फीट पहुंच गया है। अगले दो दिन अच्छी बारिश हुई तो गांधी सागर के गेट खुल सकते है। बांध अधिकारियों के मुताबिक 1306 फिट तक इसे मेंटेन रखना है।

पुलिस की 43 टीमों ने किया रातिजगा

कॉम्बिंग गश्त: 275 वारंटी व 8 इनामी बदमाशों को दबोचा

मंदसौर, 01 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात के अंधेरे में खाकी 43 टीमो ने जिलेभर में रातीजगा किया। मौका था कॉम्बिंग गश्त का। फरार आरोपियों से लेकर शराब तस्करों को पकडने के लिए पुलिस की रातभर की मुहिम रंग लाई। 500 से अधिक पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की 43 टीमो ने काम्बिंग गश्त को अंजाम देते हुए जिले के सभी थानों में लिस्टेड गुंडे बदमाशों, वारंटियों की चेकिंग और धरपकड़ की। काम्बिंग गश्त में पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनन्द, एएसपी श्री गौतम सौलंकी व श्रीमती हेमलता कुरील और डीएसपी रैंक के अधिकारियों सहित सभी थानों के टीआई व पुलिसकर्मी शामिल हुए।

पूरी रात जिले में पुलिस टीमो ने बदमाशों पर सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए 275 वारंटियों को पकड़ा। इनमें 136 स्थायी वारंटी और 95 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं। इसके साथ ही 7 इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। इनमें भानपुरा पुलिस ने 7 बदमाश व सुवासरा पुलिस ने 1 इनामी बदमाश को दबोचा। पुलिस ने 102 हिस्ट्रीशीटर बदमाशों, 129 गुंडे बदमाशों, 2 बदमाश और 2 सजायाब बदमाश सहित 6 जिला बदर बदमाशों को चेक करते हुए कुल 241 बदमाशों की चेकिंग की। वहीं काम्बिंग गश्त के दौरान अवैध शराब पर कार्रवाई करते हुए 27 प्रकरणों में 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 42 हजार रुपए से अधिक कीमत की 110.36 लीटर अवैध शराब बरामद की। इसके साथ ही कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस ने धारा 151 के 18 प्रकरणों में 18 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की।

रविवार से ट्रैफिक के रूल्स में हुआ बदलाव, पालन नहीं करने पर कटेगा लंबा चालान

मंदसौर, 01 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। आप घर से बाहर का आना-जाना दोपहिया वाहन से करते हैं, तो यह खबर आपके लिए हैं। अब यह नियम बन गया है कि स्कूटर और बाइक पर पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट पहनना ही पड़ेगा। ऐसा ना करने पर ट्रैफिक रूल्स के हिसाब से लंबा चालान कट सकता है। देश के अधिकांश हिस्से में इस नियम का पालन नहीं किया जाता है। बाइक या स्कूटर चलाते समय राइडर तो हेलमेट पहनता है, लेकिन पीछे बैठा व्यक्ति सिर की चोट से बचने पर ध्यान नहीं देता है। ऐसे में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने निर्णायक आदेश दिया है। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के बाद विशाखापट्टनम में यह नियम लागू हो रहा है। अब बाइक पर पीछे बैठे व्यक्ति को भी हेलमेट पहनना ही पडेगा। ऐसा ना करने पर भारी जुर्माना देना होगा। इस आदेश के बाद शहरी क्षेत्रो में बढ रहे हादसों में कमी आएगी।

इन नियमों का करना होगा पालन...

इस नियम का उल्लंघन करने पर 1035 रुपये का चालाना होगा। इसी के साथ आपका तीन महीने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस भी सस्पेंड कर दिया जाएगा। पुलिस ने साफ कहा है कि हेलमेट की क्वालिटी भी अच्छी होनी.... शेष पेज 4 पर

मामला- फोरलेन पर चक्काजाम और पुलिस से झूमाझपटी का...

एक सौ से अधिक लोगों पर केस

रतलाम, 01 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। रतलाम के जावरा में शनिवार रात तीन घंटे तक फोरलेन जाम करने वाले 100 से अधिक लोगों पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस वीडियो के आधार पर और लोगों को चिन्हित कर रही है। बता दे कि वाहन चेकिंग के दौरान भाजपा किसान मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष देवीसिंह गुर्जर निवासी अरनियागुर्जर व जावरा सिटी पुलिस के दो एसआई का झूमाझटकी का वीडियो सामने आया था। इसके बाद बीजेपी नेता के समर्थन में ग्रामीणों ने जावरा के रतलाम नाका पर महू-नीमच फोरलेन पर जाम लगा दिया। तीन घंटे तक बीच सड़क पर ग्रामीण बैठे रहे। रतलाम एसपी ने जावरा सिटी थाने के एसआई हिरालाल परमार व दशरथ माली को लाइन अटैच किया। इसके बाद ग्रामीण सड़क से उठे। मामले के अगले दिन .... शेष पेज 4 पर

सोयाबीन के दाम पांच साल में सबसे कम

मनासा, 01 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सोयाबीन के दाम इस बार पांच सालो में सबसे कम है। यही कारण है कि सोयाबीन की फसल खेत में ही नष्टकरने के मामले सामने आ रहे है। वर्तमान में सोयाबीन के दाम 4200 से 4800 रुपए क्विंटल हैं। इसके चलते मंदसौर ही नहीं नीमच, रतलाम सहित प्रदेश में किसानों द्वारा विरोध किया जा रहा है। मनासा क्षेत्र के किसानों ने प्रदर्शन कर सोयाबीन नहीं बेचने का निर्णय लिया है। दाम कम होने के पीछे 2 मुख्य कारण सामने आए हैं। एक बडी मात्रा में सोयाबीन व पॉम ऑइल विदेशों से आयात होना एवं देशभर में खुले एथेनॉल प्लांट। इससे किसानों को मुनाफा कम मिल रहा है, लेकिन सोयाबीन तेल के दाम कम होने से आमजन को बड़ी राहत मिली है।

मंडी व्यापारियों के अनुसार जिले सहित प्रदेश में 2 से 3 साल पहले से मंडी में सोयाबीन के दाम 5500 रुपए क्विंटल से उपर थे। जबकि, इस साल 3600 से 4500 रुपए तक मिल रहे हैं। इससे किसानों में आक्रोश है। प्रदेश के कई क्षेत्रों में किसानों ने सोयाबीन की फसल को हंकवा दिया है। किसानों का कहना है कि वर्तमान में सोयाबीन की जो कीमत है, वही 10 साल पूर्व थी। मनासा देवरी खवासा के किसानों ने प्रदर्शन कर सरकार से सोयाबीन के न्यूनतम दाम 6 हजार रुपए दिए जाने की मांग की। एसडीएम को ज्ञापन भी दिया।

तेल इंडस्ट्री भी नहीं दे पा रही ऊंचे दाम, किसानों में आक्रोश...

मनासा क्षेत्र के मदनलाल पटेल, रमेश पाटीदार, इंद्रमल पाटीदार, संदीप आजाद, अंबाराम गुर्जर, जमनालाल राठौर सहित अन्य किसानों व 500 से अधिक महिलाओं ने शुक्रवार रात चारभुजा मंदिर देवरी खवासा में बैठक की। निर्णय लिया कि जब तक सोयाबीन के भाव 6 से 7 हजार तक नहीं होंगे, तब तक वे सोयाबीन नहीं बेचेंगे। इधर, सोयाबीन तेल उद्योगपतियों व जानकारों के अनुसार सरकार ने विदेशों से तेल का आयात खोल रखा है। उत्पादन अधिक होने व निर्यात नहीं होने से देश में ही पर्याप्त सोयाबीन है। इससे मांग कम है। बड़ी मात्रा में कंपनियों ने स्टॉक कर रखा है जिसके चलते तेल इंडस्ट्री में भी मांग कम है। होलसेल में शनिवार को सोयाबीन तेल की कीमत 96 रुपए किलो रही। जब तेल ही 100 रुपए किलो बिक रहा तो सोयाबीन के 60-70 रुपए भी कोई क्यों देगा। इस कारण सोयाबीन के दाम कम हैं। जिले में इस बार कुल 1 लाख 77 हजार 235 हेक्टेयर में बोवनी हुई। जिसमें सोयाबीन का कुल रकबा 1 लाख 37 हजार 573 हेक्टेयर रहा।

एथेनॉल प्लांट की वजह से पोल्ट्री फॉर्म में मांग कम...

जानकारों के अनुसार देश में एक-दो साल में 70 से 80 नए एथेनॉल प्लांट खुले हैं। इनमें मक्का व चावल को प्रोसेस कर एथेनॉल बनाया जाता है। जो वेस्ट बचता है उसमें प्रोटीन अच्छा रहता है जिससे मुर्गियों के लिए बॉय प्रोडक्ट बनने लगे। इससे मुर्गियों के लिए अच्छे प्रोटीन वाला भोजन 19 से 35 रुपए किलो में मिलने लगा है। इससे देश में पोल्ट्री फॉर्म में लगने वाला करीब 7 से 8 लाख टन का व्यापार प्रभावित हुआ है। वहां सोयाबीन की मांग कम होने लगी है। आवक पर बडा असर बना है।

बाड़े में घुसे चोर को पकड़ पुलिस के सुपुर्द किया

पिपलियामंडी, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। बाडे में रखी पानी की मोटर व कृषि औजार चोरी करने के लिए आए युवक को पकडकर पुलिस के सुपुर्द किया। संजीत निवासी जगदीश पिता बद्रीलाल तेली ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि बाड़े में रखी पानी की मोटर व कृषि औजार को ले जाने के लिए एकत्रित कर रहे युवक को देखकर पीछा किया तो वह सामान छोडकर भाग निकला, जिससे पीछा कर पकडा, पूछताछ के दौरान अपनी पहचान करनाखेडी (भावगढ़) निवासी विनोद पिता भुवानीराम बागरी होना बताई। विनोद को पकडकर पुलिस के सुपुर्द किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

दरियादिल है डा. यादव की प्रदेश सरकार, जनता के साथ खुद के लिए भी

मंदसौर/उज्जैन, 01 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश की वर्तमान सरकार के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की दरियादिली की प्रशंसा होनी चाहिए। प्रदेश तो क्या पूरा देश ही जानता है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सरकार के समय अंतिम दौर में सरकार का खजाना खाली हो चुका था। यहां तक की मतदान हो जाने के और नई सरकार बनने के बीच अंतरिम सरकार चलाते समय भी वेतन बांटने के लिए शिवराज सरकार को भी कर्ज लेना पड़ा था। जाहिर है पूरी तरह खाली खजाने के मिली प्रदेश सरकार को डॉक्टर मोहन यादव बगैर विचलित हुए जनमत को खुश रखते हुए सरकार को नियमित व्यवस्था की तरह कैसे चला रहे हैं, वही जानते होंगे। यह किसी करिश्में से कम नहीं होगा कि शतप्रतिशत विपरीत की स्थिति में बेहद श्रेष्ठ अर्थ प्रबंधन के साथ सरकार चलाना और जनमत को भी खुश रखना। जबकि, मोटा मोटा सरकार का 40 हजार करोड़ रूपयों का खर्च सिर्फ चार घोषणाओं को पूरा करने में हो रहा है। जैसे कृषि उपकरण सब्सिडी पर प्रतिवर्ष 17 हजार करोड, लाडली बहना योजना पर 19 हजार करोड, 100 यूनिट फ्री बिजली खपत पर 5500 करोड तथा 450 रुपए प्रति गैस सिलेंडर योजना पर 1हजार करोड रूपया सरकारी खजाने से खर्च किया जा रहा है।

चन्द्रमोहन भगत

इन चार खर्चों के अलावा कर्मचारियों के वेतन पेंशन देनदिनी योजनाओं के अलावा नई घोषणाओं के खर्च भी हजारों करोडों में अलग से हो ही रहे हैं। बावजूद इसके मोहन सरकार ने कभी बजट का रोना नहीं रोया इसके उलट अपनी सरकार की नई योजनाओं की घोषणाओं के खर्च भी लगातार बढते जा रहे हैं। जैसे हाल ही में सरकार ने नया जेट विमान खरीदने के लिए 230 करोड रुपए, मंत्रियों के लिए नई एसयूवी कारों के लिए 5 करोड रुपए, उनके बंगलो की मरम्मत के लिए 18 करोड रुपए के प्रस्ताव मंजूर किए जा चुके है। 4.2 लाख करोड रूपयों के कर्ज के साथ डॉक्टर मोहन यादव ने सरकार संभाली थी। बोनस में पूर्व मुख्यमंत्री की घोषणाओं का ब्याज अलग से था। यानी बीते वर्ष में 42500 करोड रूपया प्रदेश सरकार पर कर्ज था ही और भावी 2024-25 में 6.5 लाख करोड रुपए तक कर्ज लिया जा सकता है। इसके बाद प्रदेश के प्रत्येक नागरिक पर 50 हजार रूपए का कर्ज हो जाना लगभग तय है।

इसके बाद भी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अपनी नई योजनाओं की लागत सहित घोषणाएं जारी है। कैसे राशि का जुगाड होगा, कैसे उसकी ब्याज सहित अदायगी होगी यह विषय लगातार गौण बना हुआ है। अलग कुछ नजर आता है तो वह मुख्यमंत्री डॉ यादव का आत्मविश्वास। इन सब के अलावा इसी सरकार के कार्यकाल में ही सिंहस्थ आयोजन भी 2028 में ही किया जाना है। स्वाभाविक है कि इस एकमात्र आयोजन के लिए भी हजार करोड से अधिक राशि का खर्च सरकार को करना पडेगा। जन्माष्टमी की घोषणा प्रत्येक नगरी निकाय में गीता भवन बनाना तथा विकासखंड में कृष्ण जन्म स्थली आधारित बरसाना गांव को स्थापित किया जाना, स्वाभाविक है कि इसके लिए भी धन की आवश्यकता सरकार को पड़ना ही है! प्रदेश के मुख्यमंत्री बनकर उन्हें प्रदेश सरकार का खाली खजाना भी दिख रहा है और प्रदेश की जनता की जरूरतें भी।

जनता के साथ उनके विरोधियों समीक्षकों को उनकी इच्छा शक्ति और दृढ इरादे साफ नजर आ रहे हैं। प्राकृतिक और राजनीतिक कर्म से अन्य राज्यों की आर्थिक हालत भी मध्य प्रदेश जैसी ही है। पर मुख्यमंत्री डॉ यादव जैसा आत्मविश्वास कहीं नजर नहीं आ रहा है। उदाहरण देखिए हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्कू अपने प्रदेश की आर्थिक स्थिति का सामना करने की बजाय समर्पण की मुद्रा में ऐलान कर चुके हैं कि हिमाचल सरकार के मुख्यमंत्री मुख्य सचिव, संसदीय सचिवऔर कैबिनेट दो माह तक वेतन नहीं लेंगे। अभिप्राय है कि हिमाचल के मुख्यमंत्री ने अपने कैबिनेट सहित आर्थिक संकट के सामने समर्पण कर दो महीने में लगभग दो करोड रूपया सरकारी खजाने मे बढाने की पहल कर डाली है। हिमाचल में सरकार कांग्रेस की है। सरकार बनाने के लिए जो भी लुभावनी घोषणाएं की थी, उनकी अपनी कार्य योजना के तहत थी। फिर सरकार बनने के बाद ऐसा क्या घट गया कि मुख्यमंत्री को पूरी कैबिनेट के साथ दो माह के वेतन और सभी प्रकार के भत्ते त्यागने की जरूरत पड गई। निश्चित ही कार्य योजना और विजन में मानसिक वित्तीय प्रबंधन का अभाव रहा होगा! पर डॉक्टर मोहन यादव को खाली खजाने के साथ कर्ज चढा हुआ प्रदेश मिला था। इतना की एक सामान खरीदने के लिए भी 10 बार सोचना पडता है। शायद इसे ही नेतृत्व क्षमता कहते हैं कि प्रदेश सरकार लगातार नई घोषणाओं के साथ जनमत को खुश रखते हुए दरिया दिल बनी हुई है, खुद के लिए भी और जनता के लिए भी।

विचार-मंथन

नियम और अपवाद...

इस मसले पर लंबे समय से बहस होती रही है कि महज आरोप के आधार पर किसी व्यक्ति को अगर कई-कई महीने जेल में बंद रखा जाता है और बाद में अंतिम तौर पर उसे निर्दोष पाया जाता है तो उसे जेल में रखे गए वक्त को किस सजा के दायरे में माना जाएगा। अब सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर इस मसले पर स्थिति साफ की है कि दोषी करार दिए जाने से पहले आरोपी को लंबे समय तक हिरासत में रखने को बिना सुनवाई के सजा बनाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। गौरतलब है कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी और बीआरएस नेता के कविता इस वर्ष मार्च महीने से जेल में थीं। सीबीआइ और प्रवर्तन निदेशालय का दावा है कि वे दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामले में शामिल रही हैं। हालांकि उन्हें जमानत देते हुए अदालत ने यह भी कहा कि धनशोधन कानून के जरिए लगाई गई पाबंदियों की तुलना में स्वतंत्रता का मूल अधिकार 'श्रेष्ठ' है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के सामने यह कोई पहला मौका नहीं था जब इस मसले पर उसने अपना यह रुख स्पष्ट किया है। इससे पहले दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत देते हुए भी अदालत ने यह माना था कि उनके मामले में सुनवाई में देरी हो रही है और उन्हें 'असीमित समय' के लिए जेल में नहीं रखा जा सकता है, क्योंकि यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। के कविता को भी जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसी तरह अधिक समय तक जेल में रखने और सुनवाई में देरी को आधार बनाया है। अगर किसी गंभीर अपराध के आरोप में कोई जांच एजंसी किसी को गिरफ्तार करती है तो इससे पहला संकेत यही उभरता है कि उसके पास आरोपी के खिलाफ पुख्ता सबूत या आधार होंगे। मगर ऐसे मामले अक्सर सामने आते हैं, जिनमें कई वजहों से आरोपी के खिलाफ सबूत पेश करने या सुनवाई का मामला लगातार टलता रहता है और आरोपों के कठघरे में आया व्यक्ति बिना दोषी साबित हुए लंबे समय तक जेल में बंद रहता है। यह एक तरह से जांच एजंसियों की कार्यशैली से लेकर कानूनी स्थिति पर भी सवाल है कि आरोप, जांच, सुनवाई और सजा की वे कौन-सी कसौटियां हैं, जिनके तहत बिना दोषसिद्धि के किसी को कई-कई महीने तक कैद में रखा जा सकता है। इस तरह के बिंदुओं पर अदालत को खुद सीबीआइ और ईडी जैसी जांच एजंसियों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का मौका मिलता है तो इसे कैसे देखा जाएगा? यों पिछले कुछ वर्षों से प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो पर भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकंजा कसने के नाम पर सत्ता पक्ष के इशारे पर काम करने के आरोप लगते रहे हैं। अदालतों ने भी कई बार इन जांच एजंसियों की कार्यशैली को लेकर सवाल उठाए हैं। जहां तक आरोप के आधार पर जेल में रखने का मामला है, सर्वोच्च न्यायालय ने फिर इस सुस्थापित सिद्धांत को दोहराया है कि 'जमानत नियम है, जेल अपवाद है' और यह धनशोधन निवारण अधिनियम यानी पीएमएलए मामलों में भी लागू है। आरोप लगने और फैसला आने तक के संदर्भ में शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी बेहद अहम है कि आजादी से वंचित सिर्फ उन स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के जरिए ही किया जा सकता है जो वैध और तर्कसंगत हों।

दो परमाणु सम्पन्न देशों के बीच बेहतर संबंधों की जरूरत

अशरफ जहांगीर काजी

भारत -पाकिस्तान के रिश्ते इतने लंबे समय तक कभी इतने खराब नहीं रहे जितने आज हैं। एक ध्रुवीकृत लेकिन परस्पर निर्भर दुनिया में, जब प्रलय घड़ी आधी रात की ओर बढ़ रही है, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। इन पड़ोसी परमाणु हथियार संपन्न देशों, जिनमें से एक की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा है और दूसरे की पांचवीं सबसे बड़ी आबादी है, के बीच बेहतर संबंधों की जरूरत स्पष्ट होनी चाहिए।पाकिस्तान, दोनों देशों में से छोटा देश होने के नाते, कम से कम न्यूनतम आदान-प्रदान और सहयोग को बहाल करने और अधिक गंभीर मतभेदों को पारस्परिक रूप से स्वीकार्य तरीके से कैसे संबोधित किया जाए, इस पर अनौपचारिक या अप्रत्यक्ष चर्चा को बहाल करने में अपेक्षाकृत अधिक रुचि रखता है। इसके विपरीत भारत ने पाकिस्तान के साथ किसी भी ठोस बातचीत में कमोबेश पूरी तरह से अरुचि दिखाई है। वह पाकिस्तान को एक असफल आतंकवादी देश के रूप में देखता है, जिसके पास बहुत कम विकल्प हैं जिनसे उसे केवल खुद को बचाने की जरूरत है। तदनुसार, वह ऐसे देश के साथ चर्चा में प्रवेश करने का कोई मतलब नहीं देखता। चर्चाएं, भले ही मैत्रीपूर्ण और विनम्र हों, एक-दूसरे के प्रति आधिकारिक, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टिकोण को दर्शाते हुए आरोप-प्रत्यारोप में बदल जाती है। प्रश्न उठता है कि अधिकारियों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों, व्यापारियों, सभी प्रकार के पेशेवरों और विशेषज्ञों, सांस्कृतिक प्रतिनिधियों, छात्रों, पर्यटकों आदि सहित दोनों देशों के लोगों का एक व्यापक स्पैक्ट्रम एक-दूसरे के साथ अधिक से अधिक बातचीत कैसे बढ़ा सकता है जो समय के साथ एक-दूसरे के प्रति राजनीतिक दृष्टिकोण को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है? ऐसी प्रक्रिया के अभाव में, किसी भी मुद्दे पर चर्चा, चाहे वह कश्मीर हो, आतंकवाद हो, जल मुद्दे हों, अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार हो, व्यापार और निवेश बढ़ाना हो, विश्वास निर्माण के उपाय हों या पिछली वार्ताओं के एजेंडे में शामिल अन्य मुद्दे हों, निरर्थक हो जाती है। तो, दोनों देशों के बीच चर्चाएं अधिक फलदायी कैसे हो सकती हैं? 2 शर्तों को पूरा करने की आवश्यकता है। पहला, वार्ताकारों को एक ऐसा उद्देश्य सांझा करना चाहिए जिसे वे प्राप्त करने योग्य मानते हों। दूसरा, वार्ताकारों में आत्मनिरीक्षण करने और एक-दूसरे की इच्छताओं को दूर करने की आवश्यकता को स्वीकार करने की क्षमता होनी चाहिए। यह आसान नहीं है। हाल ही में, जब एक भारतीय परिचित ने पूछा कि भारत-पाकिस्तान संबंध कैसे आगे बढ़ सकते हैं, तो मैंने सुझाव दिया कि पाकिस्तान खुद से पूछ सकता है कि वह कुछ भारतीय इच्छताओं को दूर करने के लिए क्या कर सकता है और भारत को भी इसी तरह खुद से पूछना चाहिए कि वह पाकिस्तानी चिंताओं को दूर करने के लिए क्या कर सकता है। उन्होंने जवाब दिया कि भारत को पाकिस्तान से कहना चाहिए कि वह कश्मीर को भूल जाए, आतंकवाद को रोके, स्वीकार करे कि वह भारत के साथ अपनी प्रतिस्पर्धा हार चुका है। पाकिस्तान दक्षिण एशिया में भारत के प्रभुत्व को स्वीकार करे और तदनुसार अपने परमाणु शस्त्रागार को समाप्त कर दे। मैंने सुझाव दिया कि उन्होंने भारत के लक्ष्यों को स्पष्ट किया होगा, लेकिन पाकिस्तान की इच्छताओं को दूर करने की किसी भी इच्छा से प्रेरित नहीं दिखे। इसके बजाय, वह संभवतः एक समान प्रतिक्रिया प्राप्त करेंगे कि भारत आधिपत्य, हस्तक्षेप, हत्या, नरसंहार आदि की नीतियों से दूर रहे। इससे, निश्चित रूप से चर्चा समाप्त हो जाएगी। तो, क्या हम इस तरह के बंजर आदान-प्रदान से आगे बढ़ सकते हैं? जहां तक कुछ आरोप उचित हो सकते हैं, उन्हें संबोधित किया जाना चाहिए, भले ही एकतरफा हो। क्या हम अपने देशों के बीच कुछ लंबित मुद्दों पर, जिनमें मुख्य इच्छता के मुद्दे भी शामिल हैं, एक ठोस बयान दे सकते हैं, साथ ही सहमत सिफारिशें भी कर सकते हैं, जिन्हें हम अपनी संबंधित सरकारों को विचार के लिए भेज सकते हैं? आपसी सहानुभूति को देखते हुए, न केवल व्यक्तिगत रूप से, बल्कि अलग-थलग पड़े पड़ोसी देशों के नागरिकों के रूप में भी, जो बहुत कुछ सांझा करते हैं, हम एक सांझा लेकिन अशांत इतिहास की बाधा को दूर करने की दिशा में प्रगति करना शुरू कर सकते हैं जिसने एक-दूसरे के प्रति हमारे दृष्टिकोण को 'अधिक आकार' दिया है। इसके बजाय, हम एक-दूसरे के प्रति अपने दृष्टिकोण को बताने और व्यापक बनाने के लिए जो कुछ भी सांझा करते हैं, उसके लिए अधिक जगह दे सकते हैं। ऐसी बातचीत को धीरे-धीरे ट्रैक 2, ट्रैक 1.5 और आधिकारिक स्तरों तक बढ़ाने की आवश्यकता होगी। क्या हम इस बात पर सहमत हो सकते हैं कि ऐसी प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू होनी चाहिए? यदि हां, तो क्या हम सार्क को पुनर्जीवित करने पर सहमत हो सकते हैं, जो वर्तमान में मरणासन्न है? क्या हम विश्वास और सुरक्षा निर्माण उपायों को पुनर्जीवित कर सकते हैं जिन पर सहमति हो चुकी है, उन्हें लागू किया जा चुका है, और रद्द कर दिया गया है या अप्रचलित होने दिया गया है? क्या हम आज की परिस्थितियों में, जोखिमों के बावजूद, संबंधों में सुधार की संभावनाओं की गंभीरता से जांच करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति जुटा सकते हैं? या फिर क्या प्रतिपक्षी ताकतें बहुत मजबूत हैं और उन्हें मात देने की इच्छाशक्ति बहुत कमजोर है? भारतीयों और पाकिस्तानियों की एक पूरी नई पीढ़ी को एक-दूसरे के बारे में और अधिक जानने की जरूरत है और वे एक-दूसरे के बारे में ऐसा क्यों सोचते और महसूस करते हैं। उन्हें पता चल सकता है कि वे जितना सोचते हैं, उससे कहीं अधिक बातों पर सहमत हैं। अगर ऐसा होता है, तो एक-दूसरे की चिंताओं को संबोधित करना आज की तुलना में बहुत कम मुश्किल हो सकता है। सभी प्रकार के आदान-प्रदान के साथ, आपसी समझ और आपसी लाभ के लिए लॉबी उभर सकती है, खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में। ऐसी लॉबी का अपने देशों की राजनीति और सरकारी निर्णय लेने में शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और बुद्धिजीवियों की तुलना में कहीं अधिक प्रभाव होने की संभावना है। सीमा पार व्यापार और अन्य आदान-प्रदान की क्षमता के अलावा, भारतीय और पाकिस्तानी, चाहे उनके राजनयिक संबंधों की स्थिति कैसी भी हो, एक-दूसरे के प्रति लोगों के रूप में उनकी कला, मनोरंजन और खेल में अडिग रुचि रखते हैं।

वास्तवकि काम में कम बीतता है खुद को अति व्यस्त बताने वालों का समय

मनीष कुमार चौधरी

आपका सप्ताह कैसा रहा? यह एक बहुत ही सहज प्रश्न होना चाहिए। हालांकि जब भी हम किसी से यह प्रश्न पूछेंगे तो हम पर इन जवाबों की बौछार हो सकती है कि अरे समय ही नहीं मिलता॰ यहां तो मरने की फुर्सत नहीं है॰ पता नहीं समय कहां उड़ जाता है..। हम सभी यह दिखाने के प्रति इतने जुनूनी क्यों हो गए हैं कि हम काम में कितने व्यस्त हैं? व्यस्त होना नहीं, बल्कि व्यस्त दिखना कार्य संस्कृति का मुख्य सिद्धांत बन गया है। एक अध्ययन में पाया गया कि कार्यालयों में खुद को अति व्यस्त बताने वाले कर्मचारी उनके कामकाजी दिन का उनतालीस फीसद अपना वास्तविक काम करते हैं, जबकि उनके दिन का शेष तीन-पांचवां हिस्सा बैठकों, ईमेल और अद्यतन करने में व्यतीत होता है। इन 'छद्म-उत्पादक' गतिविधियों पर समय और ऊर्जा खर्च करने से हमारे सहकर्मी यह सोच सकते हैं कि हम अति-संगठित हैं, लेकिन वास्तव में यह दक्षता का एक उथला रूप है। मूलतः हम खुद को और दूसरों को यह सोचकर धोखा दे रहे हैं कि हम अपनी तुलना में अधिक उत्पादक हैं। अक्सर हम उस काम को करने से बचने के लिए अनुत्पादक काम कर रहे हैं, जिसके बारे में हम सबसे अधिक चिंतित हैं। जीवन-यापन का अनिश्चित माहौल और एक अशांत नौकरी बाजार हमें लगातार व्यस्त रहने के लिए मजबूर कर सकता है, ताकि हम अपरिहार्य दिखें। लोग सोचते हैं कि अगर वे लगातार मांग में रहने और हमेशा 'चलते' रहने की इस हवा को पेश कर सकते हैं, तो यह कुछ हद तक उन्हें सुरक्षा प्रदान कर सकता है। एक समय 'आराम की जिंदगी' सबसे बड़ा 'स्टेटस सिंबल' था, लेकिन अब इसे उलट दिया गया है। व्यस्तता एक 'स्टेटस सिंबल' बन गई है। लगातार काम करने का यह छद्म हमारे व्यक्तिगत जीवन में भी फैल गया है। कामगारों को अक्सर अपना काम अच्छी तरह से करने के बजाय व्यस्त रहने के लिए पुरस्कृत किया जाता है। हमें लगता है कि व्यस्त दिखने का मतलब है कि हम उत्पादक हैं। और अगर हम उत्पादक हैं तो इसका मतलब है कि हम मूल्यवान हैं। सोशल मीडिया पर यही सब फैलाया जा रहा है। यानी 'कड़ी मेहनत' सिर्फ कड़ी मेहनत के लिए। बस इसलिए कि आप व्यस्त दिखें, ताकि आप काम किए गए घंटों की संख्या के बारे में विनम्रतापूर्वक शेखी बघार सकें। काम में व्यस्त रहने का मौजूदा जुनून पश्चिमी दुनिया के ज्यादातर देशों में आम है। इसके विपरीत, पिछली सदी के दौरान काम के भविष्य के बारे में की गई ज्यादातर भविष्यवाणियां एक ऐसी दुनिया के बारे में थीं, जहां लोग कम काम करेंगे और अपने खाली समय का आनंद लेंगे। ब्रिटिश अर्थशास्त्री जान मेनार्ड कीन्स ने भविष्यवाणी की थी कि 2030 तक लोग तीन घंटे की शिफ्ट या पंद्रह घंटे का सप्ताह काम करेंगे। इसी तरह, नोबेल पुरस्कार विजेता बर्ट्रेंड रसेल ने कहा कि चार घंटे का कार्यदिवस सभी के लिए पर्याप्त होना चाहिए। लेकिन वास्तविकता बहुत अलग है। जब हम दूसरों को बताते हैं कि हम हमेशा व्यस्त रहते हैं, तो निहित संदेश यह होता है कि हमारी तलाश की जाती है, और इसलिए हम महत्वपूर्ण लोग हैं। यह 'जितना हम व्यस्त हैं, उतना ही सफल दिखते हैं', मिथक के मुख्य कारणों में से एक है। कभी-कभी व्यस्त दिखना भी एक रणनीतिक व्यवहार होता है, जब हम यह दिखाना चाहते कि हम अब भी प्रासंगिक हैं। सोशल मीडिया की शुरुआत के साथ खुद को अति व्यस्त दिखाने, बताने और जताने का महत्व बढ़ गया है। दूसरी पहचान या डिजिटल स्व का अवचेतन उद्देश्य दूसरों से कथित मूल्य को बढ़ाना है। मगर जब वे वास्तव में अपने जीवन का विश्लेषण करते हैं, तो उन्हें अहसास हो सकता है कि वे जो कर रहे हैं, वह 'वह नहीं है जो वे करना चाहते हैं।' व्यस्त होने का मतलब यह नहीं है कि हम काम कर रहे हैं। व्यस्तता उत्पादकता के बराबर नहीं है। उत्पादकता को केवल तभी 'उत्पादक' माना जा सकता है जब कुछ करना किसी लक्ष्य या कार्य को पूरा करने की ओर ले जाए। जो लोग अपने काम में असाधारण होते हैं, उनमें किसी काम/शिल्प के प्रति असंतुलित समर्पण होता है। हम विश्व की किसी जानी-मानी हस्ती को दिन में छह घंटे जिम जाते हुए नहीं देखते। या फिर किसी नामी उद्योगपति या प्रसिद्ध खिलाड़ी, कलाकार को आए दिन यहां-वहां घूमते नहीं देखते। काम हमेशा उतना ही समय लेता है।

भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने हेतु अशांति फैलाने के हो रहे हैं प्रयास

केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लागू की गई कई नीतियों के चलते भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तो बन ही गया है और अब यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत की लगातार तेज हो रही आर्थिक प्रगति पर विश्व के कुछ देश अब ईर्ष्या करने लगे हैं एवं उन्हें यह आभास हो रहा है कि आगे आने वाले समय में इससे उनके अपने आर्थिक हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इस सूची में सबसे ऊपर चीन का नाम उभर कर सामने आ रहा है। और फिर, चीन की अपनी आर्थिक प्रगति धीमी भी होती जा रही है। दूसरे, विश्व को भी आज यह आभास होने लगा है कि विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन के मामले में केवल चीन पर निर्भर रहना बहुत जोखिम भरा कार्य है। इसका अनुभव विशेष रूप से विकसित देशों ने कोरोना महामारी के बाद से वितरण चैन में आई भारी परेशानी से किया है, जिसके चलते इन देशों में मुद्रा स्फीति की समस्या आज भी पूरे तौर पर नियंत्रण में नहीं आ पाई है। साथ ही, चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते उसके अपने किसी भी पड़ोसी देश से (पाकिस्तान को छोड़कर) अच्छे सम्बंध नहीं हैं। अतः कई देश अब यह सोचने पर मजबूर हुए हैं कि चीन+1 की नीति का अनुपालन ही उनके हित में होगा। अर्थात, यदि किसी उद्योगपति ने चीन में अपनी एक विनिर्माण इकाई स्थापित की है तो आवश्यकता पड़ने पर उसके द्वारा अब दूसरी विनिर्माण इकाई चीन में स्थापित न करते हुए इसे अब किसी अन्य देश में स्थापित किया जाना चाहिए। यह दूसरा देश भारत भी हो सकता क्योंकि भारत अब न केवल 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' के क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करता हुआ दिखाई दे रहा है बल्कि भारत में बुनियादी ढांचा के विस्तार में भी अतुलनीय प्रगति दृष्टिगोचर है। केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लागू की गई कई नीतियों के चलते भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तो बन ही गया है और अब यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। अर्थ के कई क्षेत्रों में तो भारत विश्व में प्रथम पायदान पर आ भी चुका है। इससे अब चीन के साथ अमेरिका को भी आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर अपने प्रभाव में कमी आने की चिंता सताने लगी है। अतः विश्व के कई देशों में अब भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर ईर्ष्या की भावना विकसित होती दिखाई दे रही है। इस ईर्ष्या की भावना के कारण वे भारत के लिए कई प्रकार की समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करते दिखाई देने लगे हैं। यह समस्याएं केवल आर्थिक क्षेत्र में खड़ी नहीं की जा रही हैं बल्कि सामाजिक, राजनैतिक एवं आध्यात्मिक आदि क्षेत्रों में भी खड़ी करने के प्रयास हो रहे हैं। सबसे पहिले तो कुछ देश प्रयास कर रहे हैं कि भारत में किस प्रकार सामाजिक अशांति फैलायी जाए। इसके लिए भारत की कुटुंब प्रणाली को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। देश में विभिन्न टीवी चैनल पर इस प्रकार के सीरियल दिखाए जा रहे हैं जिससे परिवार के विभिन्न सदस्यों के बीच आपस में छोटी छोटी बातों में लड़ने को बढ़ावा मिल रहा है। इन सीरियल में सास को बहू से, ननद को देवरानी से, छोटी बहिन को बड़ी बहिन से, एक पड़ौसी को दूसरे पड़ौसी से, संघर्ष करते हुए दिखाया जा रहा है। इन सीरियल के माध्यम से भारत में भी पूंजीवाद की तर्ज पर व्यक्तिवाद को हावी होते हुए दिखाया जा रहा है। जबकि भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति हमें संयुक्त परिवार में आपस में मिलजुल कर रहना सिखाती है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5344

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5343

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

वर्ग पहेली 5344

संकेत: बाएं से दाएं

1. 28 मई 2008 को भारत के इस पड़ोसी देश ने 240 साला पुरानी राजशाही का अवसान हुआ (3)
4. विश्व में गेहूं की मंडी के नाम से विख्यात विनिपेग नगर इस देश में स्थित है (3)
7. मूल्य, दाम, मोल (3)
8. नापने का मापदंड, क्रम (3)
9. आवरण या अवरोध हटाना, बंधन ढीला करना (3)
10. जिसके अवयव पास-पास सटे हों, सघन (2)
12. गति, चाल (3)
13. उत्कृष्ट, नितांत, पराकाष्ठात्मक (3)
14. भिन्न अर्थ वाला, अर्थहीन (3)
16. मुख्य लोगों का दरबार (5)
18. अर्द्धांग युक्त, अंबिका गीता (2)
19. दार्शनिक प्रणाली, पंथ, मोर (2)
20. गुजरात का एक प्रसिद्ध व्यंजन (3)
21. यह लोकतंत्र की राजधानी है (3)
22. यह महर्षि परशुराम का शस्त्र है (3)

ऊपर से नीचे

1. निर्देशक केदार शर्मा ने राकेश रोशन के पिता संगीतकार रोशन को इस फिल्म (1949) में मौका दिया था (6)
2. हथेली की अंगुली में पहने जाते है (2)
3. हमेशा रहने वाले काम (4)
4. कम्पनि कराके धन उपार्जित करना (3)
5. तंदूर में पकाई जाने वाली मोटी खमीरी रोटी (2)
6. पोस्टऑफिस, डाकखाना (4)
11. हिंदुओं के सोलह संस्कारों में से एक जिसमें बालक का नाम रखा या स्थिर किया जाता है (5)
13. पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर (2)
14. प्राकृतिक झील, खाड़ी (3)
15. रक्त वाहिनी नली, रग (2)
17. ईश्वर का दिया हुआ धन आदि (3)
18. टीस नामक नदी (3)
20. कड़ा, तीक्ष्ण, गया (2)

वर्ग पहेली 5343 का हल

युवक ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

नीमच, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले कुकडेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम कुंडला में शनिवार और रविवार की मध्य रात में अज्ञात कारणों के चलते एक 36 वर्षीय युवक ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गांव कुंडला निवासी रामसिंह पिता राम निवास बलाई (36) देर रात को अपने घर पर सोया था। घटना की जानकारी परिजनों तब हुई जब वे सुबह उठे तो युवक को फांसी के फंदे पर लटके हुए देखा।

घटना की जानकारी परिजनों ने कुकडेश्वर थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतरा और पंचनामा बनाकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए मनासा के शासकीय चिकित्सालय भेजा। जहां मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मेघदूत नगर उद्यान में जल मंदिर स्थापित

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। मेघदूत नगर वार्ड नं. 39 (पुराने आर.टी.ओ. कार्यालय रोड) पर स्थित उद्यान में सीतारामजी पंवार कुंचडौद वाले जो कि वर्तमान में यश नगर में निवास करते है उनके द्वारा शीतल जल उपलब्ध कराने हेतु जल मंदिर (स्थायी प्याऊ) का निर्माण किया गया। कल इसी प्याऊका नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने फिता काटकर व जल मंदिर की पूजा कर लोकार्पण किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद भारती पाटीदार, समाजसेवी राजेश गुर्जर, योगेन्द्रसिंह सौलंकी, महावीर रघुवंशी, बी.एल. कुमावत, रमेश काबरा, राजेशसिंह, पं. दुर्गाप्रसादजी, मुन्नाभाई, श्रीमती दीपिका सोलंकी, प्रियंका भट्ट, गीता कुमावत, मेघना झलोया, सुशीला झलोया सहित कई गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित थे। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर व श्री योन्द्रसिंह सौलंकी के द्वारा शीतल जल मंदिर का निर्माण कराने वाले सीताराम पंवार का शाल ओढाकर व माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। संचालन योगेन्द्रसिंह सौलंकी ने किया।

महाविद्यालय में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम सम्पन्न

पिपलियामंडी, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय पिपलिया में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा वित्तीय साक्षरता का ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें डॉक्टर वाणी कामथ (मुंबई) ने प्रतिभागियों को बचत के महत्व तथा निवेश के विभिन्न आयामों के बारे में विस्तार से समझाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर आरके श्रीवास्तव ने बताया कि भारत में नागरिकों की एक अच्छी आदत बचत करने की है, किंतु अभी भी अधिकतर लोग अपनी बचत को बैंकों में ही फिक्स्ड डिपॉजिट करते हैं, जिसमें महंगाई के अनुपात ब्याज नहीं मिल पाता है। डॉक्टर कामथ ने बताया कि पहली कमाई से ही अल्पावधि एवं दिर्घाविधि के लिए अपनी बचत का सही निवेश म्युचुअल फंड, मेडिक्लेम टर्म इंश्योरेन्स के माध्यम से अपने भविष्य को सुखद बनाया जा सकता है, आज के समय में पैसा कमाना आसान है, किंतु उसे खर्च करने के लिए बहुत बुद्धिमानी चाहिए, जो वित्तीय साक्षरता से ही संभव है।

मंदसौर के रजनीकांत बने नाथद्वारा के श्रीनवनीत प्रियाजी मंदिर के मुख्य मुखिया

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। पुष्टिमार्गीय प्रधान पीठ प्रभु श्रीनाथजी की हवेली में श्री लाडले लाल प्रभु श्री नवनीत प्रियाजी मुखिया के पद पर रजनीकांत सांचीहर को तिलकायत राकेश महाराज की आज्ञा से नियुक्त किया गया है। श्री रजनीकांत मंदसौर जिले के फौजी मुंडला गांव के निवासी है। श्री रजनीकांत सांचीहर से पूर्व भगवानदास सांचीहर श्री नवनीत प्रियाजी के प्रथम मुखिया थे जिनके देहांत होने के बाद से प्रथम मुखिया का पद रिक्त था। श्री लाडले लाल प्रभु के प्रथम मुखिया का दायित्व व सेवा श्रृंगार सभी रजनीकांत ही कर रहे थे। उनके प्रभु की सेवा में समर्पण व भाव को देखते हुए तिलकायत की आज्ञा से उन्हें इस पद पर नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर तिलकायत व विशाल बावा के महाप्रभु जी बैठक में गादी के सम्मुख रजनीकांत सांचीहर को दुशाला व उपरना ओढ़ाकर व माला, बीड़ा, प्रसाद प्रदान कर प्रथम मुखिया की नियुक्ति की परंपरा का निर्वहन किया।

दीन दयाल स्पर्श छात्रवृति योजना अंतर्गत 20 तक करें आवेदन

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। अधीक्षक डाकघर मंदसौर द्वारा बताया गया कि भारतीय डाक विभाग फिलैटली छात्रवृति योजना दीन दयाल स्पर्श योजना वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत कक्षा 06 से 09 तक के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृति प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए है। कक्षा 6 से कक्षा 9 तक प्रत्येक कक्षा में चयनित 10-10 विद्यार्थियों को छात्रवृति प्रदान की जाएगी। छात्रवृति की राशि रुपए 6 हजार रूपये एक वर्ष के लिए होगी। छात्रवृत्ति योजना में भाग लेने हेतु आवेदन पत्र नजदीकी डाकघर या अधीक्षक डाकघर मंदसौर के कार्यालय के पते पर रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट के माध्यम सेनिर्धारित प्रारूप में पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र 20 सितंबर 2024 तक कर सकते है। योजना की अधिक जानकारी के लिये भारतीय डाक विभाग की वेबसाइट http://www.indiapost.gov.inसे अथवा कार्यालय अधीक्षक डाकघर मंदसौर से प्राप्त की जा सकती है। लिखित क्विज परीक्षा 30 सितंबर 2024 कोआयोजित की जावेगी। जिसमें 50 बहुविकल्पीय प्रश्न समसामयिकी, इतिहास, भूगोल, विज्ञान, खेल/संस्कृति प्रत्येक से 05 प्रश्न एवं स्थानीय व राष्ट्रीय फिलैटली से संबंधित क्रमश: 10 एवं 15 प्रश्न रहेंगे, लिखित क्विज की समय-अवधि एक घंटा रहेगी। लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र द्वारा स्थान एवं समय की सूचना दी जावेगी। लिखित क्विज में चयनित विद्यार्थियों को स्तर 02 में भाग लेने हेतु फिलैटली प्रोजेक्ट प्रस्तुत करना होगा। फिलैटली प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 05 नवंबर 2024 तक रहेगी

सिद्धी के पीछे मत भागों-स्वामी सरस्वती

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा मंदसौर पर दिव्य चातुर्मास पूज्यपाद 1008 स्वामी आनन्दस्वरूपानंदजी सरस्वती ऋषिकेश के सानिध्य में चल रहा है। स्वामी जी द्वारा प्रतिदिन प्रात: 8.30 से 10 बजे तक श्रीमद् भागवद् महापुराण के एकादश स्कन्द का का वाचन किया जा रहा है।

रविवार को धर्मसभा में स्वामी श्री आनन्द स्वरूपानंदजी सरस्वती ने सिद्धीयों के बारे में बताते हुए कहा कि हम सिद्धियों के पीछे भागते है महात्मा लोग भी सिद्धीयों को प्राप्त करना चाहते है लेकिन हमें इससे दूर रहना चाहिए सिद्धीयां भी एक प्रकार से संसार का ही रूप है। ज्ञानी महात्मा सिद्धीयों से दूर रहते है। आपने बताया कि सिद्धी परमात्मा नहीं है, यह संसार में ही बांधने का रकने का माध्यम है जो महात्मा इसे जानते है वह सिद्धी को प्राप्त नहीं करना चाहते है। सिद्धी कभी एक व्यक्ति के पास नहीं रूकती यह समय - समय पर बदलती रहती है यह भी देखा गया है जिन लोगों के पास सिद्धीयां होती है और बाद में चल जाती है ऐसे लोग विक्षिप्त हो जाते है। धर्मसभा में स्वामी जी ने बताया कि यदि सिद्धी ले भी लोग और लोगों के मन भी बात जानने लगोगे सांसर को जानने लगोगे तो इससे भी होगा क्या इससे अच्छा है भगवान को जानों प्रभु की भक्ति करो। सिद्धी को ग्रहण करने के स्थन भगवान की भक्ति को ग्रहण करो। आपने कहा कि भगवान की भक्ति में जो शक्ति है जो शांति है वह संसार के किसी अन्य चीज में नहीं है। कार्यक्रम के अंत में भगवान की आरती उतारी गई एवं प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीशचंद्र सेठिया, प्रहलाद काबरा, मदनलाल गेहलोत, संतोष जोशी, जेपी गर्ग, डॉ प्रमोद कुमार गुप्ता, दिनेश खत्री, कन्हैयालाल रायसिंघानी, जगदीश गर्ग, पं शिवनारायण शर्मा, प्रवीण देवडा, मदन देवडा, नीलमचंद भावसार, घनश्याम भावसार, राधेश्याम गर्ग, भगवतीलाल पिलौदिया सहित बडी संख्या में महिलाएं पुरूष उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त फौजी का किया सम्मान

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु

एक्सप्रेस। मेघवाल समाज विकास परिषद जिला अध्यक्ष राधेश्यामजी गोरवी के नेतृत्व में प्रभुलालजी सूर्यवंशी प्रदेश अध्यक्ष की गरिमामय उपस्थिति में अंबेडकर चौराहे पर बाबुलालजी सुर्यवंशी का सेवानिवृत्त होने पर शाल, श्रीफल, व बाबा साहब का मोमेंटो भेंटकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर बालारामजी सिसोदिया, मांगीलालजी कमलवा, अम्बालालजी चंद्रावत, डॉ रामनारायणजी पँवार, भेरुलालजी बामनिया, शोभारामजी सुर्यवंशी, बगदीरामजी बसेर, रामचंद्रजी डांगी, रामलालजी बड़गोती, अम्बालालजी डांगी, वरदीचंदजी श्रीमाल सहित अनेक जिला व तहसील की कार्यकारिणी ओर समाजजन उपस्थित थे संगठन के सदस्यों ने इस अवसर पर बाबुलालजी सूर्यवंशी के सेवाकाल के अनुभवों पर भी प्रकाश डाला और उनकी कडी मेहनत तथा बलिदान के लिए धन्यवाद दिया। इस सम्मान समारोह में उपस्थित संगठन के सभी सदस्यों ने बाबुलाल जी सूर्यवंशी के साथ अपनी एकता और सहयोग की भावना का प्रदर्शन किया। यह आयोजन मेघवाल समाज के बीच एकजुटता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने का एक सार्थक प्रयास रहा। यह जानकारी जिला प्रवक्ता सुरेशजी भैसावल द्वारा दी गई।

जिले में अब तक औसत 830.3 मिमी वर्षा दर्ज

नीमच, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में चालू वर्षाकाल में अब तक 830.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इनमें नीमच 722 मि.मी., जावद में 932 मि.मी. एवं मनासा में 837 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। गत वर्ष इस अवधि मे जिले में औसत 533.1 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई थी। गत वर्ष नीमच में 537 मि.मी., जावद में 585.4 मि.मी. एवं मनासा मे 477 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में एक सितंबर 2024 को प्रात: 8 बजे तक की प्राप्तज जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों में जिले में औसत 18.6 मि.मी. वर्षा हुई है। इसमें नीमच में 42 मि.मी., जावद में एक मि.मी. एवं मनासा में 13 मि.मी.वर्षा दर्ज की गई है।

अशोक खिंची मध्य प्रदेश सर्वहिताय परमार्थिक चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नियुक्त

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। सर्वहिताय चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक श्री श्री रोहित गोपाल भैया सूत जी महाराज, मेवाड़ धरा धर्म प्रमुख, शंकराचार्य पीठ धर्मासद अधिकारी चित्तौड़गढ़ के द्वारा नई दिल्ली कर्नाटक भवन में महामहिम राज्यपाल डॉक्टर थावरचंद गहलोत साहब की गरिमामय उपस्थिति में मध्य प्रदेश में सामाजिक समरसता, धार्मिक सद्भावना, सांस्कृतिक एवं सर्वहिताय परमार्थिक सनातन धर्म संस्कृति, सामाजिक सद्भावना के उद्देश्य को लेकर पवित्र कार्य करने हेतु मध्य प्रदेश, मंदसौर निवासी अशोक खिंची पूर्व जिला पंचायत सदस्य पिपलिया मंडी को मध्य प्रदेश सर्वहिताय चैरिटेबल ट्रस्ट का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मध्य प्रदेश, मंदसौर जिले के निवासी अशोक खिंची पिपलिया मंडी के माध्यम से लगातार सामूहिक विवाह कन्यादान समारोह, प्रतिभावान छात्र-छात्रा सम्मान समारोह, सामाजिक समरसता एवं समानता के पवित्र उद्देश्य को लेकर प्रतिवर्ष कबीर महोत्सव, वृक्षारोपण कार्यक्रम, रक्तदान शिविर एवं श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव, नानी बाई का मायरा कथा के आयोजन एवं सदैव जनहित में तत्पर रहकर लगातार निस्वार्थ भाव से जनहित में कार्य करने के कारण युवा समाजसेवी अशोक खिंची पूर्व जिला पंचायत सदस्य पिपलिया मंडी को मध्य प्रदेश सर्वहिताय चैरिटेबल ट्रस्ट का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर दिल्ली, हरियाणा राजस्थान एवं गुजरात के अध्यक्ष गण उपस्थित थे।

ड्यूटी पर तैनात गार्ड का नाम और मोबाइल नंबर डिस्प्ले किए जाएं-अपर कलेक्टर

अपर कलेक्टर श्रीमती जायसवाल एवं एडिशनल एसपी सोलंकी ने बड़ा अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग के निर्देश से अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल एवं एडिशनल एसपी श्री गौतम सिंह सोलंकी ने 31 अगस्त की रात्रि 10:30 बजे जिला अस्पताल मंदसौर का आकस्मिक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अपर कलेक्टर एवं एडिशनल एसपी को जिला अस्पताल मंदसौर एवं मेडिकल कॉलेज मंदसौर के निरीक्षण कार्यों के लिए अधिकृत किया है।

निरीक्षण के दौरान आकस्मिक चिकित्सा कक्ष एवं समस्त वार्डों का भ्रमण किया गया। ड्यूटी रोस्टर का निरीक्षण किया तथा ड्यूटी पर उपस्थित सभी डॉक्टर से चर्चा की। रात्रि कालीन ड्यूटी पर उपस्थित डॉक्टरों को आवश्यक निर्देश दिए गए। अपर कलेक्टर ने ड्यूटी पर उपस्थित डॉक्टर से जानकारी लेते हुए पूछा की प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड जिला अस्पताल में किस किस स्थान पर तैनात किए गए है, जिस पर ड्यूटी डॉक्टर ने अनभिज्ञता जाहिर की। इस दौरान अपर कलेक्टर ने निर्देशित किया की, ड्यूटी पर तैनात गार्ड का मोबाइल नंबर और नाम भी डिस्प्ले किए जाएं। उसकी जानकारी सिविल अस्पताल में बनी हुई चौकी पर उपलब्ध कराए।

दक्षिण भारत में बारिश के बाद बाढ़ का कहर

पीएम ने की तेलंगाना-आंध्र के सीएम से बात, 20 राज्यों के लिए अलर्ट

विजयवाड़ा, 1 सितम्बर। उत्तर-पश्चिम से लेकर मध्य और दक्षिण भारत में इन दिनों हो रही भारी बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त है। गुजरात-राजस्थान सहित कई राज्यों में नदियां उफ़ान पर हैं। बांधों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। वहीं, दक्षिण भारत में भी हाल कुछ इसी तरह के हैं। दक्षिण के के राज्य आंध्र प्रदेश में भारी बारिश के कारण बुदामेरु वागु नदी उफान पर है, जिससे विजयवाड़ा के विभिन्न हिस्सों में बाढ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। अकेले आंध्र प्रदेश के पांच जिलों के 294 गांवों से 13,227 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। तेलंगाना में सोमवार को सभी प्राइमरी और माध्यमिक स्कूलों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बारिश के कारण रेल संचालन पर भी असर पड़ा है और 20 से अधिक ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं और 30 से अधिक का मार्ग में परिवर्तन किया गया है।

पीएम मोदी-अमित शाह ने की आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों से बात-वहीं, पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से बात की और भारी बारिश और बाढ़ के मद्देनजर इन राज्यों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस चुनौती से निपटने के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों से बात की और दोनों राज्यों में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया।

चंद्रबाबू नायडू ने किया बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा-आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा की। गृह मंत्री वंगलापुडी अनिता ने कहा कि जलभराव वाले इलाके से निकाले जाने वाले लोगों के लिए एनटीआर, कृष्णा, बपटला, गुंटूर और पलनाडु जिले में 100 पुनर्वास केंद्र बनाए गए हैं। 61 चिकित्सा शिविर भी लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के कारण अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने बाढ़ग्रस्त स्थानों से 600 लोगों को बचाया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की 17 टीमों ने सात जिलों में 22 जलमग्न स्थानों पर बचाव अभियान चलाया। राज्य के मानव संसाधन मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि हमने एक संकट तो टाल दिया है। निरीक्षण के बाद आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि बुदामेरु नहर का पानी इस क्षेत्र में फैल गया है, जिससे बड़ी समस्या पैदा हो गई है। हजारों लोग अपने घरों और छतों पर फंसे हुए हैं। मैं हर घंटे स्थिति पर नजर रख रहा हूं। इस दौरान उन्होंने पिछली सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह आपदा प्राकृतिक कारणों और पिछली सरकार की बुडामेरु नहर की उपेक्षा का परिणाम है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि बचाव दल अभियान शुरू कर चुके हैं। सरकार सहायता के लिए हर संभव प्रयास करेगी और नाव से जनता तक भोजन और आवश्यक आपूर्ति पहुंचाई जाएगी। हम चिकित्सा सहायता की आवश्यकता वाले लोगों को निकालने के लिए नावों का भी उपयोग करेंगे। जनता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं खुद पूरे ऑपरेशन की निगरानी कर रहा हूं।

तेलंगाना में पटरी बही, रेल सेवा ठप-तेलंगाना में समुद्रम और महबूबाबाद के बीच रेलवे पटरी बह गई। इसके चलते दिल्ली-विजयवाड़ा रूट पर सभी ट्रेनें बंद कर दी गई हैं। आंध्र-तेलंगाना के बीच 6 ट्रेनें रद्द कर दी गई और 9 का मौर्ग बदला। दक्षिण मध्य रेलवे ने रविवार को कुल 20 ट्रेनें रद्द की और 30 के मार्ग बदले। जिन ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं उनमें दानापुर-बंगलूरू, निजामुद्दीन-कन्याकुमारी, सीएसटी मुंबई-भुवनेश्वर और तांबरम-हैदराबाद एक्सप्रेस भी शामिल हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तटों पर बना दबाव, जिसके कारण पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही है, रविवार रात 12.30 बजे से 2.30 बजे के बीच कलिंगपट्टनम के पास तट को पार कर गया। वर्तमान में यह दक्षिण ओडिशा और उससे सटे उत्तरी आंध्र प्रदेश, विशाखापत्तनम के उत्तर-पश्चिम में लगभग 90 किमी और मल्कानगिरी से 120 किमी पूर्व में केंद्रित है। इसके अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण ओडिशा और दक्षिण छत्तीसगढ़ में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और एक अच्छी तरह से चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र में कमजोर होने की संभावना है।

पौध संरक्षण दवाओं पर अनुदान के लिए करें आवेदन

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंदसौर द्वारा बताया गया कि खरीफ मौसम में लगाई गई मुख्य फसलों में कीट व्याधि के नियंत्रण हेतु पौध संरक्षण दवाओं के छिड़काव हेतु कृषि विभाग द्वारा अनुदान देय है। अनुदान लाभ लेने के लिए कृषक एमपी किसान ऐप पर पंजीयन हेतु संबंधित कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर विभिन्न विभागीय योजनाओं के लक्ष्यानुरूप कीमत का 50 प्रतिशत अधिकतम राशि 500 रुपये प्रति हेक्टेयर तक अनुदान का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

बाइक चोरी, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। कुन्ताखेड़ी निवासी अमरसिंह ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे दोस्त रठाना निवासी बालमुकुन्द पिता उंकारलाल बागरी की बाइक (एमपी 14 एनजी 2815) को लेकर घर आया था, रात्रि. में बाइक बाहर खड़ी थी, सुबह उठकर देखा तो बाइक नही थी। पुलिस ने शनिवार को अज्ञात बदमाश के खिलाफ केस दर्ज किया।

*** खुशियों की दास्तां ***

पीएमएफएमई योजना के तहत...

मसाला लघु उद्योग स्थापित कर आत्म निर्भर बना रणजीत

नीमच, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन (पीएमएफएमई)योजना का लाभ लेकर अपना स्वयं का लघु उद्योग स्थापित कर, नीमच मनासा के ग्राम मालखेडा के किसान श्री रणजीत पिता भीमा कछावा एवं उनका परिवार आत्मनिर्भर बन गया है। मसालों की पिसाई व क्लीनिगं, ग्रेडिंग का लघु उद्योग स्थापित कर किसान रणजीत कछावा आज 40 हजार रूपये मासिक आमदनी प्राप्त कर रहे है। कृषक रणजीत कछावा निवासी मालखेडा (मनासा) पहले धनिया एवं मिर्च बाजार से और किसानो से सीधे खरीदकर बगैर प्रोसेसिंग के ही अपनी उपज को बेचते थे जिससे उन्हे काफी कम आय होती थी फिर उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हे पीएमएफएमई योजना के बारे बताया पीएमएफएमई योजना के तहत रणजीत कछावा ने मसाला पिसाई, क्लीजनिंग मसाला फसलों की ग्रेडिंग का लघु प्लांट स्थापित किया।इस उद्योग स्थापना के लिए उसे 6.71 लाख के ऋण पर 35 प्रतिशत 2.35लाख रुपये का अनुदान मिला।अपना स्वयं का मसाला पिसाई का लघु उद्योग स्थंपित कर, रणजीत प्रतिमाह 40 हजार रूपये का लाभ अर्जित कर रहे है। रणजीत अपने मसाला उद्योग में अन्यि 5 से 6 युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध करा रहे है। पीएमएफएमई योजना का लाभ मिलने पर रणजीत ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रमोदी जी व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को किसान हितैषी योजनाएं चलाने पर उनका आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया है।

खीरा ककड़ी का उत्पादन कर किसान बाबूलाल ने प्राप्त की 12 लाख रूपये की आय

नीमच, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले की जावद विकासखण्ड के गाम घाटी के किसान बाबूलाल धाकड ने उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित संरक्षित खेती की शेडनेट हाउस योजना के तहत9.76 लाख रूपये के अनुदान का लाभ उठाकर उन्नत कृषि तकनीक से खीरा ककडी का उत्पादन कर दो सीजन में कुल 12.15 लाख रूपये की शुद्व आमदनी प्राप्त की है।

उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त कर किसान बाबूलाल ने पंरपरागत खेती के बजाय अपने खेत पर 2750 वर्ग मीटर में 9.76 लाख के शासकीय अनुदान से शेडनेट हाउस बनाकर वर्ष 2023-24 में खीरा ककडी की फसल लगाई। इससे पहले सीजन में बाबूलाल ने 400 क्विंटल खीरा ककडी का उत्पादन कर 5.05 लाख रूपये की शुद्व आय प्राप्त की है। दूसरे सीजन में 409 क्विंटल खीरा ककडी के उत्पादन से उसे 7.10 लाख रूपये की शुद्व आय प्राप्त हुई। इस तरह परम्परागत खेती की तुलना में उन्नत कृषि तकनीक से शेडनेट हाउस के माध्यम से संरक्षित खेती कर किसान बाबूलाल ने खेती को लाभ का धन्धा बना लिया है। अब किसान बाबूलाल की आर्थिक स्थिति काफी सुद्दढ हो गई है। किसान बाबूलाल धाकड, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी को शेडनेट हाउस के लिए मिले अनुदान के लिए धन्यवाद देते हुए, आभार व्यक्त कर रहा है।

आनंद शिविर के लिए शासकीय सेवकों का पंजीयन

नीमच, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। राज्य आनंद संस्थान द्वारा शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से आनंद शिविरों का आयोजन किया जाना है। जिसके लिये निर्धारित प्रशिक्षण शुल्क राज्य आनंद संस्थान द्वारा वहन किया जाता है। इच्छुक अधिकारी-कर्मचारी को अपने रिपोर्टिंग अधिकारी से लिखित अनुमति (निर्धारित प्रपत्र में) लेकर अपना पंजीयन संस्थान की वेबसाइट पर करना होता है। प्रत्येक शासकीय सेवक को अपने सेवाकाल में केवल एक ही आनंद शिविर में भाग लेने की पात्रता होती है। इस सम्बं ध में निर्देश, अनुमति एवं स्व-घोषणा प्रपत्र की जानकारी का संस्थान की वेबसाइट www. anand sansthanmp.in पर आनंद शिविर पंजीयन टैब में उशींरळश्री के ऑप्शन पर जाकर अवलोकन किया जा सकता है। आगामी 23 से सितबंर 2024 तक आर्ट ऑफ लिविंग संस्थावन द्वारा बंगलौर में आन्नदद शिविर आयोजित किया जा रहा है। आनंद शिविर में भाग लेने जिले के इच्छुक शासकीय अधिकारियों/कर्मचारियों का पंजीयन संस्थान की वेबसाइट www. anand sansthanmp.in करवाया जा सकता है।

दिनांक 02 सितम्बर 2024

अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

लग्जरी वाहन प्राप्ति का योग..

* जन्म कुंडली में चतुर्थ भाव का स्वामी तथा शुक्रग्रह शुभ स्थान में बैठे हो एवं चौथे भाव पर शुभ ग्रह की दृष्टिपड़ती हो तो ऐसे जातक को जीवन में लग्जरी वाहन का सुख शीघ्र और अधिक मिलता है। तथा कारक ग्रहों की दशा-अंतरदशा में उससे संबंधित सुख आपको अवश्य प्राप्त होता है।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

पशुपतिनाथजी को लगा 56 भोग - रविवार को भगवान पशुपतिनाथजी को 56 भोग का नेवैद्य लगाया गया।

रतलाम के मेडिकल कॉलेज में मारपीट, ढाबा संचालक व छात्र घायल

रतलाम, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। बंजली-सोजावता बायपास स्थित रायल ढाबे पर भोजन के रुपयों को लेकर मेडिकल कॉलेज के छात्रों व ढाबा संचालक के बीच विवाद हो गया। कुछ देर ढाबा संचालक व उसके मामा मेडिकल कॉलेज में छात्रों से बात करने पहुंचे तो वहां पुन: विवाद हो गया तथा छात्रों ने मारपीट शुरु कर दी।

आपस में झगडा कर रहे थे छात्र- दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट में ढाबा संचालक मामा-भांजे व एक छात्र घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, वहां भी छात्रों ने ढाबा संचालक के मामा के साथ मारपीट की। आधी रात हुई घटना से मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया। डॉक्टर व पुलिस मौके पर पहुंची तथा स्थित को नियंत्रित किया।

ढाबा संचालक मामा-भांजे से मारपीट- जानकारी के अनुसार मारपीट में ढाबा संचालक 24 वर्षीय रितिक राठौर व उसके मामा 35 वर्षीय राजेश राठौर तथा छात्र संजय डांगी घायल हुए है। राजेश राठौर व संजय को भर्ती कराया गया है। राजेश ने मीडियाकर्मियों को बताया कि शनिवार रात 10 से 15 छात्र ढाबे पर भोजन करने आए थे। सभी आपस में तथा आसपास बैठे लोगों से विवाद करने लगे। वे उन्हें समझाने लगे तो छात्र कहने लगे कि बिल नहीं देंगे। पांच- छह हजार रुपये का बिल बना था। उन्होंने उन्हें समझाया कि विवाद मत करों, अभी जाओ, बाद में बिल का पेमेंट कर देना। इसके बाद वे चल गए। वह ढाबा बंद करके भांजे रितिक के साथ घर चले गए।

दोबारा लौटकर किया हंगामा- कुछ देर बाद ढाबे के कर्मचारी का फोन आया कि छात्र वापस परेशान कर रहे है। वे भांजे के साथ कार से मेडिकल कॉलेज गए तथा छात्रों को समझाने लगे। तभी छात्रों ने घेर लिया तथा मामा- भांजे के साथ मारपीट शुरू कर दी। अन्य लोगों ने बीच-बचाव किया तथा उन्हें इलाज के लिए ओपीडी में ले गए तो छात्रों ने वहां आकर भी मारपीट की।

10 छात्रों पर मामला दर्ज- पैर पर बोतले मारी तथा चाकू से वार किया। वार झेलने पर उनके हाथ में भी चोट आई है। मारपीट की सूचना पर डीन डॉ. अनिता मूथा, सीएमओ डॉ. सौरभ पटेल व अन्य अधिकारी, डॉक्टर आदि भी पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली। ढाबे पर दोबारा डंडे लेकर पहुंचे छात्र सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुए है।

जांच कराई जाएगी- ढाबा संचालक रितिक राठौर ने औद्योगिक क्षेत्र थाने में छात्रों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया है। मेडिकल कॉलेज की डीन डा. अनिथा मूथा ने बताया कि रात में झगडे की सूचना मिली थी। घायलों को भर्ती कराया गया है। क्या मामला है, इसकी जांच कॉलेज की कमेटी करेगी। मीडिया प्रभारी डा. विनय शर्मा ने बताया कि ढाबा संचालक व कॉलेज छात्रों के बीच विवाद हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। घायलों का इलाज चल रहा है। जांच के बाद पता चलेगा कि विवाद क्यों हुआ।

शो रुम में आग, लाखों की मशीनें जली

मंदसौर, 01 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। महू- नीमच राजमार्ग स्थित काबरा पेट्रोल पंप के पास गीतांजलि इंटरप्रोजेस पर शनिवार- रविवार की रात आग लग गई। शो रूम में वाहन अलाइनमेंट करने सहित अन्य मशीनें और टॉयर थे। आगजनी के चलते सभी मशीनें और एसी सहित अन्य सामान जल गया।

इस आगजनी से पास में स्थित एक अन्य दुकान को भी नुकसान हुआ है। बताया जाता है कि आग शो रूम के अंदर ही अंदर जलते रही। आग की लपटें बाहर नहीं निकली। जिसके चलते लोगों को देर से इसकी जानकारी मिली। आगजनी का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

सीबीएन के नकली अधिकारी बनकर ठगी करने वाले पांच लोगों पर मामला दर्ज, एक गिरफ्तार...

एनडीपीएस के प्रकरण मे फंसाने की धमकी देकर वसूले थे 75 हजार

मंदसौर, 01 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) के नकली अधिकारी बन एक युवक के साथ 75 हजार रुपयों की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पीड़ित को सेल्स टीम लीडर की नौकरी का इंटरव्यू देने बुलाया था। इसके बाद उसे स्मैक तस्करी के केस में फंसाने की धमकी देकर रुपए वसूले। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जबकि, उसके चार साथी फरार है। जिनकी तलाश की जा रही है। ठगी का पूरा प्लान फरियादी के दोस्त ने ही बनाया था।

नारायणगढ़ टीआई अनिल रघुवंशी ने बताया कि फरियादी जितेंद्रसिंह देवडा और ऋषिराज सिंह दोनों रतलाम में रहकर पतंजलि में सेल्स एरिया मैनेजर का काम करते है। कुछ समय पहले फरियादी के पास अभिषेक नाम के व्यक्ति का फोन आया। जिसने खुद को कॉलगेट कंपनी का सेल्स अधिकारी बताते हुए टीम लीडर की पोस्ट पर इंटरव्यू के लिए मन्दसौर के नारायणगढ़ बुलाया था। फरियादी 29 अगस्त को इंटरव्यू देने मन्दसौर पहुंचा। जहां उसे बताया कि मंदसौर में अशोक डांगी नाम का व्यक्ति खड़ा है उसे भी साथ लेते आए। यहां से वह अशोक के साथ बाइक पर नारायणगढ के लिए निकला। रास्ते में दो व्यक्ति मिले जिन्होंने खुद को नारकोटिक्स अधिकारी बताते हुए बैग की तलाशी ली। जिसमें एक थैली निकाली। थैली में स्मैक होने का आरोप लगाया। इसी दौरान फरियादी के दोस्त ऋषिराज का फोन आया। पीड़ित ने उसे पूरी घटना बताई तो ऋषिराज ने लेनदेन कर मामला रफादफा करने की बात डेढ लाख में तय की। फरियादी ने आरोपियो को 75 हजार रुपए नगद और ऑनलाइन ट्रांसफर किए। बाकी रुपए एक दो दिन मे देना तय किया। बाद में उसे पता चला कि दोस्त ऋषिराज सिंह ने उसके साथियों के साथ मिलकर ठगी की वारदात की है। इसके बाद फरियादी नारायणगढ थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज करवाई। मामले में पुलिस ने रामेश्वर पिता प्रभुलाल शर्मा निवासी नकेडिया जिला मन्दसौर को गिरफ्तार किया है। वही अशोक डांगी, ऋषिराज सिंह कछावा, एडविन नायडूऔर अभिषेक नाम के आरोपी फरार है। सभी के खिलाफ जबरन वसूली करने, धोखाधडी करने जैसी धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

बाघों और वन्यप्राणी हमलों पर महाराष्ट्र में मुआवजा राशि 25 लाख रुपये, मप्र में सिर्फ 8 लाख

भोपाल, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। वन्यप्राणी के हमलों में होने वाली जनहानि पर मध्य प्रदेश सरकार अब महाराष्ट्र की तरह मुआवजा देने की तैयारी कर रही है। इसको लेकर कवायद शुरू हो गई है, लेकिन नौ माह पहले ही यह मुआवजा राशि चार लाख रुपये से बढ़ाकर आठ लाख रुपये की गई थी, इसलिए वन विभाग राशि बढ़ाने में परेशानी हो रही है।

महाराष्ट्र में यह 25 लाख रुपये मुआवजा- दरअसल, मप्र में वन्यप्राणी के हमलों में होने वाली जनहानि में मुआवजा राशि महाराष्ट्र के मुकाबले कई गुना कम है। मप्र में यह राशि आठ लाख रुपये प्रति व्यक्ति है, वहीं महाराष्ट्र में यह 25 लाख रुपये है। राज्य की सीमा पर वन्यप्राणी के हमले से व्यक्ति की मौत पर मुआवजा देने को लेकर विरोधाभास जैसी स्थिति बन रही है। इसको लेकर पिछले दिनों मप्र और महाराष्ट्र के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में इस विषय पर चर्चा भी हुई थी और मुआवजा देने को लेकर कार्ययोजना बनाकर दोनों राज्यों के समन्वय से कार्य किया जाएगा।

महाराष्ट्र की तुलना में मप्र में मुआवजा कम- वन मुख्यालय के अधिकारियों का कहना है कि मप्र के अधिकतर बाघ एवं तेंदुआ बहुल जिले मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित हैं। इस कारण महाराष्ट्र में भुगतान की जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि की तुलना प्रदेश में दी जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि से होना स्वाभाविक है और कम क्षतिपूर्ति राशि मिलने पर मृतकों के परिजनों में वन्यप्राणियों के प्रति रोष उत्पन्न होना भी स्वाभाविक है।

मुआवजा राशि को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोष, राशि बढ़ाने की मांग- वन मुख्यालय ने शासन के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया था कि विगत समय में घटित जनहानि के प्रकरणों में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा क्षतिपूर्ति राशि को बढ़ाए जाने की मांग की गई है। वर्ष 2023 पेंच टाइगर रिजर्व के बफर जोन में बाघ द्वारा तीन एवं दक्षिण सिवनी वनमंडल में एक जनहानि की गई थी। प्रकरण में ग्रामीणों द्वारा भारी असंतोष व्यक्त किया गया एवं क्षतिपूर्ति राशि आठ लाख से बढ़ाकर महाराष्ट्र राज्य में दी जाने वाली क्षतिपूर्ति की राशि 25 लाख रुपये देने की मांग की गई। क्षतिपूर्ति की राशि कम होने के कारण जनहानि से प्रभावित ग्रामीणों द्वारा वन्यप्राणियों को जहर देकर मारने एवं उन्हें नुकसान पहुंचाने की संभावना बनी रहती है।

बाइक चोर सक्रिय, ले उड़े विधायक प्रतिनिधि की बाइक

पिपलियामंडी, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। नगर में बाइक चोर सक्रिय है, दूसरे दिन भी रविवार को चोर विधायक प्रतिनिधि की बाइक चोरी कर ले गए। जानकारी के अनुसार रविवार को महावीरगंज स्थित देवनारायण मंदिर के पीछे विधायक प्रतिनिधि लोकेश कराड़ा के संस्थान के सामने खड़ी बाइक (एमपी 14 एमजी 8324) चोरी कर ले गए। वहीं 31 अगस्त की रात्रि में फाटक मोहल्ले में पिपलियापंथ मार्ग पर बैरागी टेंट के सामने खड़ी राजाराम गुर्जर की बाइक (एमपी 14 एनएफ 0665) चोरी चली गई। दोनों मामलों में आवेदन पर पुलिस ने मामला जांच में लिया। उल्लेखनीय है कि नगर में बाइक चोर सक्रिय हैं, 27 अगस्त को भी गांधी चौराहे के पास व्यापारी दीपक पिता संतोष बंसल की बाइक (एमपी 14 एमएस 4198) चोरी हो गई थी, बाइक ले जाते दो चोर सीसीटीवी में भी केद हुए थे। वहीं सर्पमित्र बरखेड़ापंथ निवासी गणेश्व पिता दुलीचंद सालवी की बाइक (एमपी 14 एमके 4917) गांव लूनाहेड़ा से तथा पिपलियामंडी निवासी सुमित पोरवाल की बाइक (एमपी 14 एनएस 8151) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निकट ब्रिज के नीचे से चोरी हो गई थी। पुलिस अभी तक किसी भी प्रकरण में बाइक बरामद नही कर पाई है।

सोयाबीन के उचित दाम को लेकर कांग्रेस कल देगी ज्ञापन

कुकड़ेश्वर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। कुकड़ेश्वर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगर कांग्रेस कमेटी एवं मंडलम कांग्रेस कमेटी द्वारा सोयाबीन 6000 रु के समर्थन मूल्य पर खरीदने की मांग को लेकर ज्ञापन देगी। उक्त प्रेस नोट जारी करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडव्होकेट कैलाश राठौर एड शहर कांग्रेस अध्यक्ष नंदलाल मालवीय ने बताया कि सोयाबीन का भाव वर्तमान लागत से काफी कम है जिसके कारण किसान परेशान और दुखी हैं। जहां आज सोयाबीन की उपज पैदा करने के लिए खाद बीज हकाई जुताई मजदूरी सभी दोगुना हो चुके हैं। लेकिन फिर भी सोयाबीन कम कीमतों में बिक रहा है। सोयाबीन के भाव 6000 रु की समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग को लेकर दिनांक 3 सितंबर 2024 को कुकड़ेश्वर बस स्टैंड से एकत्रित होकर नायब तहसीलदार कुकड़ेश्वर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री मंगेश संघई एवं सभी कांग्रेस नेता, कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। कार्यकर्ता एवं किसान सुबह 11 बजे बस स्टैंड कुकड़ेश्वर पर एकत्रित होकर ज्ञापन सोपेगे। कार्यक्रम की अपील जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष विजय श्रीमाल, मंडल अध्यक्ष अमृत पंचोली, पार्षद प्रमोद मालवीय, भागीरथ मालवीय, महेश टोडावाला, पूर्व पार्षद बलवंत खींची, रिंकू भानपिया, मुकेश जिगर, नरेंद्र भानुप्रिया, राजेंद्र बुंदिवाल, सुरेश मालवीय, सुनील मालवीय आदि कार्यकर्ताओं ने समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

गांधी सागरः प्रोजेक्ट चीता पर बनेगी वेब सीरिज

अलग-अलग भाषाओं में होगी रिलीज, कई देशो में छाएगा अभयारण्य

मंदसौर, 01 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। कूनो के बाद जिले के गांधी सागर अभयारण्य में चीते लाने की तैयारी अंतिम चरण में है। इधर चीता प्रोजेक्ट को लेकर वेब सीरिज बनाने की तैयारी शुरु हो गई है। विश्व के 170 देशों में अलग अलग भाषाओं में यह वेब सीरिज रिलीज होगी। एनटीसीए के उप महानिरीक्षक वैभवचंद्र माथुर ने 21 जुलाई को मप्र के मुख्य वन्य जीव वार्डन को पत्र लिखा कि शेन फिल्म्स व प्लांटिंग प्रोडक्शंस को शर्तों के अनुसार कूनो व गांधी सागर में फिल्मांकन की सुविधा दें। केंद्र ने 'प्रोजेक्ट चीता' पर चार-भाग की वेब सीरीज के फिल्मांकन को मंजूरी दी है। इसमें भारत के प्रयासों को दिखाया जाएगा। शूटिंग 17 सितंबर से हो सकती है।

सरकार करेगी मदद...

पहले एनटीसीए व भारतीय वन्यजीव संस्थान के साथ तालमेल कर चुके वेब सीरीज बनाने वालों ने प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए 50 लाख रुपए की वित्तीय सहायता को लेकर मप्र पर्यटन और एमपी टाइगर फाउंडेशन से संपर्क किया। एक अफसर ने बताया, वित्तीय सहायता संभव नहीं है, पर हम निर्देशानुसार वेब सीरीज के फिल्मांकन के लिए पूरा सहयोग देंगे।

गांधी सागर दूसरा ठिकाना...

चीतों को बसाने की योजना में नामीबिया और अफ्रीकी देशों से 5 साल में हर साल 12-14 चीते लाने की बात है। अब गांधीसागर अभयारण्य के लिए चीते लाए जाएंगे। इधर, वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने फिल्म पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा, प्रोजेक्ट के सामने कई चुनौतियां हैं। पहले इसका समाधान होना चाहिए।

दशहरा मैदान में दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज

पहले दिन 6 मैचों में दिखा शानदार उत्साह, आज खेला जायेगा सेमीफायनल और फायनल मुकाबला

नीमच, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अहद स्पोर्ट प्रजेंटस द्वारा नीमच प्रिमियम लीग 2024 का आयोजन किया गया। इस क्रिकेट टूर्नामेंट में करीब 8 टीमो ने हिस्सा लिया। स्थानीय दशहरा मैदान में रविवार सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कुल 6 मैच खेले गए। सभी मुकाबले तय 8 आवर में खेले गए, जो कि काफी रोमांचक रहे। वही खेल प्रेमियों की भीड़ से पुरे दशहरा मैदान में उत्साह और उमंग का नजारा देखने को मिला। बारीश की खलल से शाम 5 बजे क्रिकेट टूर्नामेंट को विराम देना पड़ा। अब शेष मैच सोमवार सुबह 8 बजे से खेले जायेंगे। जिसमे दो सेमिफायनल और अंत में फायनल मुकाबला खेला जायेगा। जिसके बाद बतौर मुख्य अतिथियों द्वारा विजेता टीम को पुरूस्कार वितरण किये जायेंगे।

बाइक सवारों को पीटा, 3 पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। बाइक सवार युवकों को रोककर मारपीट करने करने वाले तीन आरोपियों पर पुलिस ने केस दर्ज किया। बरखेड़ा जयसिंह निवासी मंगलसिंह शक्तावत ने पिपलिया पुलिस थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि रात्रि 11 बजे रेलवे ओवरब्रिज के यहां अजय टॉकीज मार्ग पर बाइक से साथी युवराजसिंह व शीतलसिंह के साथ जा रहा था, इस दौरान पानी पतासे का ठेला लगाने वाले विजयसिंह कुशवाह ने रोका उसके साथ दो युवक और से जो अंशु मालवीय व उनी शर्मा बता रहे थे, तीनों ने मारपीट की। मेरे दोनों साथियों ने बीच-बचाव किया तो उनके साथ भी मारपीट की व कपड़े फाड़ दिए। आरोपियों ने धमकी दी कि हम यहां के दादा है, आज के बाद रात्रि में अगर रिखे तो जान से मार देंगे। पुलिस ने मारपीट करने वाले तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

सदप्रयास सदैव प्रवाहमान रहना चाहिए-भावनानी

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। सफलता या असफलता के बारे में सोचकर समय व्यर्थ गंवाने के स्थान पर हमें हमारे सदप्रयास निरन्तर जारी रखना चाहिए। जब एक चींटी भी अपने से डेढ़ गुना वजन उठाकर चलती है। वह कभी गिरती है, फिसलती है लेकिन फिर भी वह संघर्ष करते हुए निरन्तर आगे बढ़ती जाती है। इसी प्रकार से हमें भी यदि हमारी सोच सही है, उद्देश्य सही है तो फिर हमें दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना ही चाहिए और फिर स्वच्छता, पर्यावरण एवम् जल संवर्धन का विषय तो सम्पूर्ण मानव के हित में है।

उक्त बात समाजसेवी श्रीचंद भावनानी ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे। अनुराग जनजागरूकता पद यात्रा में रामचंद्र रैकवार, रमेश सोनी, इंजी. सुनील व्यास, सत्यनारायण सरगरा, अजीजुल्लाह खान, राजाराम तंवर, राजेश मेडतवाल, हरिशंकर शर्मा, इंजी. ए. के. जैन आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

भारत को पिस्टल शूटिंग में मिला मेडल

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। भारत की महिला पैरा निशानेबाज रूबीना फ्रांसिस ने पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों के तीसरे दिन भारत को पांचवां मेडल दिलाया। रूबीना ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1) फाइनल में तीसरा स्थान हासिल किया। पैरालंपिक के इतिहास में भारत को पहली बार पिस्टल शूटिंग में मेडल मिला है। रूबीना ने फाइनल में 211.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा।

रूबिना फ्रांसिस ने सातवें स्थान पर रहकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1) फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। 25 वर्षीय रूबिना क्वालीफिकेशन दौर के ज्यादातर हिस्से में शीर्ष आठ निशानेबाजों से पिछड रही थीं लेकिन उन्होंने अंत में तेजी दिखाई और पदक दौड़ में पहुंची। मध्यप्रदेश की यह निशानेबाज तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक के क्वालीफाइंग दौर में भी सातवें स्थान पर रही थीं और फिर फाइनल में भी सातवें स्थान पर रही थीं।

बोगियों को छोड़कर निकल गई मालगाड़ी, गार्ड ने दी जानकारी तब लौटी ट्रेन

उमरिया, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। रविवार की दोपहर बिलासपुर कटनी रेल खंड पर जा रही एक कोयले से लदी मालगाड़ी के डिब्बे अलग हो गए। जिससे बड़ी दुर्घटना होते-होते रह गई। यह घटना उमरिया जिले में हुई। रविवार की दोपहर उमरिया चपहा और पिपरिया के बीच कोयले से लोड मालगाड़ी बीच से अलग हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आधे डिब्बों को छोड़ ट्रेन उमरिया से कटनी की ओर बढ़ गई थी। जिसे पीछे से गार्ड ने देखकर उमरिया स्टेशन मास्टर को सूचित किया। तब आगे जा चुकी ट्रेन को रोककर वापस लाया गया और ट्रेन को जोड़कर रवाना किया गया।

हो सकता था बड़ा हादसा- इन दोनों उमरिया रेलवे स्टेशन में तीसरी लाइन कनेक्टिविटी का काम चल रहा है, जिसकी वजह से सवारी गाड़ियां बंद है। अन्यथा इस तरह मालगाड़ी के डिब्बे अलग होने की वजह से कोई बड़ी दुर्घटना यहां हो सकती थी। सवारी ट्रेनों के बंद होने से एक बड़ी दुर्घटना होते होते बची गई।

अक्सर हो रही घटनाएं- दुर्घटनाग्रस्त लॉन्ग हाल गाड़ी थी। लॉन्ग हाल गाड़ी दो माल गाड़ियों को जोड़कर बनाई जाती है। जिससे मालगाड़ी की लंबाई बहुत ज्यादा हो जाती है। जिसकी वजह से इस तरह की घटनाएं अक्सर हो रही हैं। दो ट्रेनों को जोड़कर कोयला ढोया जा रहा है जिससे अधिक लंबी ट्रेन होने से बीच से मालगाड़ी ले लोड डिब्बे अलग हो गए। इस घटना की सूचना पर तुरंत रेलवे अधिकारी सक्रिय हुए और बड़ी दुर्घटना को रोकने में कामयाबी मिली

बीएसएफ जवान ने व्हाट्स एप कालिंग के जरिए दी मां को अंतिम बिदाई

पिपलियामंडी, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। बीएसएफ जवान ने व्हाटस एप कालिंग के माध्यम से मां को अंतिम बिदाई दी। जानकारी के अनुसार पिपलियामंडी गायत्री शक्तिपीठ के पास निवासरत रणजीतसिंह व प्रवीणसिंह की माता श्रीमती सायराकुंवर का 65 वर्ष की आयु में रविवार को निधन हो गया। उन्हें बीएसएफ में पदस्थ बेटे प्रवीणसिंह ने व्हाटस एप पर कॉलिंग से अंतिम बिदाई दी। उल्लेखनीय है कि प्रवीणसिंह अपनी मां का इलाज कराने के लिए पिछले एक महिने से छुट्टी पर आए थे, इलाज कराने के बाद मां ने स्वस्थ होने की बात कही व बेटे को ड्यूटी पर जाने के लिए कहा। प्रवीणसिंह ड्यूटी पर कोलकाता के लिए निकले, लेकिन इटावा में ही उन्हें मां के निधन की खबर मिली। गांव पिपलिया गुर्जर (जीरन) से निकली अंतिमयात्रा में समय पर नही आ पाने के चलते जवान प्रवीणसिंह ने व्हाटस एप कालिंग के जरिए मां को अंतिम बिदाई दी।

मप्र के बैंक कर्मचारी नेता कॉमरेड महेश मिश्रा को दी श्रद्धांजलि

मंदसौर, 1 सितम्बर गुरु एक्सप्रेस। कामरेड पं. महेश प्रसाद जी मिश्रा के आकस्मिक निधन पर मध्य प्रदेश बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन ने यूनियन बैंक परिसर में एक मीटिंग आयोजित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यूनियन पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आदरणीय दादा को याद करते हुए कहा कि मंदसौर से राष्ट्रीय स्तर तक बैंक यूनियन का नेतृत्व कर उन्होंने मंदसौर का नाम भी राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

पूर्व में जनरल काउंसिल मेंबर ऑल इंडिया बैंक एम्प्लाईज एसोसिएशन, महासचिव ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ़ इंदौर एम्प्लाईज कोऑर्डिनेशन कमेटी, चेयरमैन मध्य प्रदेश बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन, महासचिव सिटी ट्रेड यूनियन काउंसिल मंदसौर, जिला सचिव मध्य प्रदेश बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन मंदसौर के पदों की सफलतापूर्वक जिम्मेदारी निभाने वाले एवं वर्तमान में ऑल इंडिया स्टेट बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन मध्य प्रदेश के चेयरमैन पद का दायित्व निभा रहे, मध्य प्रदेश बैंक कर्मियों के जाने-माने ट्रेड यूनियन लीडर, प्रगतिशील विचारों के वाहक, बैंक कर्मियों के बीच दादा के नाम से प्रसिद्ध कामरेड महेश प्रसाद मिश्रा का 79 वर्ष की आयु में 26 अगस्त 2024 सोमवार की रात्रि को मंदसौर में निधन हो गया। कामरेड श्री मिश्रा बहुत ही सौम्य, सरल, मिलनसार, हंसमुख, विनम्र, मृदुभाषी, मूक प्राणियों के प्रति करुणा के भाव रखने वाले, अनुशासित, स्पष्टवादी, सभी से मित्रवत, अनुशासन प्रिय, कई विधाओं के ज्ञाता, कुशल वक्ता, खुशमिजाज व्यक्तित्व के धनी थे। उनके ऐसे गुणों के कारण जो भी एक बार मिलता था, उनका कायल हो जाता था। ट्रेड यूनियन के प्रति समर्पित एवं बैंक कर्मियों के जाने-माने निर्विवाद एवं सम्मानित नेता कामरेड मिश्रा जी का जन्म 2 फरवरी 1945 को मंदसौर में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर करने के पश्चात अपनी कुशाग्र बुद्धि की दम पर 22 वर्ष की उम्र में ही 1 जुलाई 1967 से स्टेट बैंक ऑफ इंदौर नीमच से अपना बैंक करियर प्रारम्भ कर दिया था। हिंदी, अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं पर भी आपकी अच्छी पकड थी। उन्होंने बैंक परीक्षा सीएआईआईबी भी बैंक की 5 वर्ष की सेवा के दौरान ही पास कर ली थी। फिर भी बैंक प्रमोशन स्वीकार न करके वे बैंक कर्मचारी संगठन ष्ऑल इंडिया बैंक एम्प्लाईज एसोसिएशनष् से जुड गए। अपनी निष्ठा, लगन, जुझारूपन, नेतृत्व क्षमता के कारण यूनियन के महत्वपूर्ण पदों पर सफलता पूर्वक जवाबदारियों का निर्वहन किया। वह स्टेट बैंक ऑफ इंदौर में विशेष सहायक के पद पर कार्यरत रहते हुए 19 वर्ष पूर्व फरवरी 2005 में मंदसौर से सेवानिवृत्त हुए थे। मध्य प्रदेश बैंक कर्मियों के नेतृत्वकारी साथियों से अभी भी उनका जीवन्त संपर्क बना हुआ था एवं समय-समय पर उन सभी को उनका मार्गदर्शन मिलता रहता था। इस दौरान इस क्षेत्र में उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। वर्तमान समय में बैंक प्रबंधन द्वारा बैंक कर्मियों, हमारी यूनियनों और हमारे अधिकारों पर बढते हमलों तथा सरकार की बैंकों के निजीकरण के प्रयासों को बढ़ाने वाली नीतियों के खिलाफ बैंक कर्मियों द्वारा किए जा रहे आंदोलनों एवं हड़तालों में उन जैसे अनुभवी ट्रेड यूनियन नेता के मार्गदर्शन की बहुत आवश्यकता थी। ऐसे समय में उनका निधन बैंक कर्मियों के आंदोलन के लिए बहुत बड़ी क्षति है। कामरेड मिश्रा जी के अचानक चले जाने से एक न केवल परिजनो को आघात लगा है बल्कि संगठन को भी अपूरणीय हानि हुई है। जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उनके बताये रास्ते पर चलना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी .उनके निधन पर सभी ने व्यक्तिगत से एवं मध्य प्रदेश बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोक बैठक में रमेशचंद्र जैन, सुरेन्द्र संघवी, अनिल जैन, जिनेन्द्र राठौर, गजेन्द्र तिवारी, राहुल पोरवाल, शिव राजेंद्र शास्ता, वीरेन्द्र भावसार, प्रकाश नायक, विपुल जैन, मनीष जैन, दीपक परमार, अपूर्वा झाला, प्रज्ञा जैन, भोलेश पाठक, अमन गुप्ता, माधुरी पोरवाल, मुकेश सैनी, महेन्द्र कुमार, धीरेन्द्र कुमार आदि उपस्थित थे।

रविवार से ट्रैफिक के रूल्स में हुआ...

पेज 1 से जारी

चाहिए। सस्ता हेलमेट पहनकर सफर करने वालों का भी चालान कट सकता है। आईएसआई मार्क वाला हेलमेट ही मान्य किया जाएगा। देश में मुंबई और दिल्ली जैसे बड़े महानगरों में स्कूटर या बाइक पर पीछे बैठे व्यक्ति को हेलमेट पहनना अनिवार्य है। यहां इस नियम का बहुत ही सख्ती से पालन किया जाता है, लेकिन अभी भी देश के कई बड़े शहरों और कस्बो में इस नियम का पालन नहीं होता है। इन शहरों में ट्रेफिक पुलिस केवल बाइक चलाने वाला हेलमेट नहीं पहना होता है, तो चालान काटती है। मंदसौर में भी कभी सख्ती दिखाई जाती है तो फिर लापरवाही का दौर शुरु हो जाता है। हालांकि, मंदसौर -नीमच जैसे छोटे शहरो में दोपहिया वाहन पर पीछे बैठने वाले व्यक्ति को हेलमेट पहनना अभी अनिवार्य नहीं किया गया है। यहां तो रायडर अर्थात वाहन चालक भी हेलमेट पहनने में शर्म महसूस करता है।

एक सौ से अधिक लोगों...

पेज 1 से जारी

पुलिस ने वीडियो के आधार पर 8 से 10 नामजद समेत 100 से अधिक लोगों पर चक्काजाम करने पर मामला दर्ज कर लिया है। वीडियो के आधार पर और लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज हो सकता है।

नरेन्द्रसिंह एडवोकेट

39, जयकुंज, रितुराज कालोनी, संजीत रोड, मंदसौर मो.-9039651975
E-mail-gnarendra1880@gmail.com

दिनांक-26.08.2024

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को मेरे पक्षकार की ओर सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार संस्था बंधन बैंक शाखा मंदसौर में निम्न वर्णन की सम्पत्ति पर ऋण सुविधा प्राप्त करने के लिए आवेदन श्री शौकिनलाल रेगर पिता हीरालाल निवासी ग्राम मोरवन, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) ने किया है। निम्न वर्णन की सम्पत्ति से संबंधित पूर्ववर्ती विक्रय पत्र क्रमांक 648 दिनांक-06.06.2015 है जो मूल विक्रय पत्र कहीं गुम हो गया है। जो काफी ढूंढने का प्रयास करने पर भी नहीं मिल सका है।

जिस किसी भी व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्य या शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था या किसी अन्य पंजीकृत या अपंजीकृत निकाय को मेरे पक्षकार संस्था बंधन बैंक द्वारा बंधक रख निम्न वर्णन की सम्पत्ति पर ऋण देने में आपत्ति हो तो वह जाहिर सूचना प्रकाशन की तिथि से 03 दिवस के भीतर लिखित में मय दस्तावेज आपत्ति पेश करें, अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी और मेरे पक्षकार द्वारा निम्न सम्पत्ति पर ऋण स्वीकृत किया जायेगा। सो सूचित हो।

सम्पत्ति का विवरण-एक भूखण्ड/भूमि जो भूमि सर्वे नं. 14/1/2/1/1/1/1 पैकी में से का भाग होकर पटवारी हल्का नंबर 32 नगर परिषद पिपलियामंडी वार्ड क्रमांक 03 ग्राम पिपलियापंथ तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर (म.प्र.) में स्थित है। जिसकी चर्तुसीमा व पैमाईश निम्नवत है- पूर्व में-बोहरा जी का प्लाट, पश्चिम में-20 फीट रोड, उत्तर में-माया रेगर का प्लाट, दक्षिण में-चंद्रशेखर लोहार का प्लाट। पूर्व से पश्चिम - 20 फीट, उत्तर से दक्षिण-25 फीट, कुल क्षेत्रफल 500 वर्गफीट।

नरेन्द्रसिंह एडवोकेट, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडि्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in